

2841

ASHA ARCHIVES

ॐ नमः श्री चक्र सम्व नाय ॥ २ ॥ ॐ नमः श्री यद्म नृ ह्य श्व नाय ॥ नमः
स्का ल्ब नन्दि रु स्य वृ द्म न्द ख न्द ग्र ह न वी ण ण रु काल का म नू ण
गी रु स्य न्दि च क्र वा दं यु रि ति ग ग ली त स्मि का का ग ल स म् अ ष्ठि
ल न्द वृ न्दा रु न स लिल सा ग न ना लु व वा ह स्म दू द्र य या न नः
व गु रु ग व श य द्म नृ ह्य श्व न स्य जू यि च या सा सी सा न च क्र विः
न च ल य रि म ली स नि आ ग ल ह ना सा धि य स्य य सा दा दि ण गुः
नि ऊ रु वी स्वा मि ना नि य य श्श ने सी म ना मा द य नि स ना मा द य
नि सूर वी क ल्य ना जाल मू की कू र्णी न स्य धि न य द्म सि न सि वि न

ॐ नमः श्रीगणेशाय नमः

ये सगुगुत्सर्व काली॥ ॐ नमः श्रीयद्वन्त ह्यश्वनाश ॐ नमः श्रीच
कसम्भनाय॥ जाव॥ धर्म धारुति नद दयानन्द कात्री॥ कालाव॥
जगताला कलाचन॥ जाव॥ कमलासनस्तु गणितवर्धुधनाकनः
कमली॥ कालाक॥ सहजानन्द कात्रिका॥ जाव॥ निषिलति न्यदद
आज्ञाद सुन्दरी॥ कलाक॥ नमस्तु भगवन् कूमाना॥ त्वाक जाव॥ ना
गजुन्धनी॥ विश्वसना नृह विधु विम्वो २ भा॥ कात्रिका विथासुसम्भवा
॥ ध॥ नमामि नमामि श्रीवागीश्वर सयनमूनि तिनद दया २ विन
सयि कूटी गनमनाहन समैयनमूनि तिनद दया॥ यीननिलल

नसि तव यन श्य ३ जि नम कूटमनि नयन ॥ ५२ ॥ धर्म च कुम्
 डा कुत्रि सना सि २ द्य ६ चा ययि यल्लायूक्त कथा सी ॥ ५३ ॥ सुना सु न
 नमि तव लच नर्ष २ रु नयिल यन मा दी वज जि नयु नलयन ॥
 ॥ ५४ ॥ नाग रु न वि ॥ मर धम मरु महामनि कन कना जि नर्ह यूर्वः
 विद हं जम्बु दीप २ अय न (ग) णाय नि उ रु न कू नू रु वन्य य ३ व
 नक्ष य ३ जि नया यिल ॥ ५५ ॥ नभय ३ वृद्ध ॥ विंश्व ग्री जि न विंश्व
 हि न विंश्व हि नय ३ मू नू नि २ अरु दीयान ना वह नि जि नमान
 सा रु नू रु य नि मि नत्त घन धा नू ल ॥ जा र्वे ते दान्य भया उय दि

यना वाउयदियजानुदान २५ सननउयदियचउ विदिगजु
 वन वाउयदिः श्रीखद्युयन ॥ ५॥ दिनदवलयाचि न्नन
 नूडियाचि न्नसकजु दलचूंमिया न्न २ ज्वनाउदियां चि न्न
 क्रमनि कूयनि निड्डीनिखिल वदायनी ॥ ५॥ गुनूचननीव
 नसरु गतियनिरु वना मन कूसूमउ ललसीयनियूजा २ युदाव
 यनिरुनस्मि न्नसकयनिरु विन रु वज ननिड्डीसनु रु नी ॥ ५॥
 ॥ नागयद्मा ॐ लि ॥ अनिल अनलजल ऊरु वमा ॥ मनमहुल
 चक्रनाया २ वजय ॐ लललललसीयनिरु न्नमनमहुलचक्र

नाया ॥ ५ ॥ दमनू दनयिया ॥ शुन्य कनू दनयिया ॥ अलिङ्गन रुनू वः
दुनयिया वजवा नाही अलिङ्गन सम्व प्रथनयिया ॥ च्छुति सवि
नवीन श्वन ऊहि ऊहि नहि नहि नूयू मम न २ नूह नसर्व
दव वजह सखा उ म दवी ननिरुयन सी हा व ॥ ५ ॥ गिरुवन
गुझा वक्रवियरु नाथ गिरुवन गुझा वक्रवी नमिना २ गिनिः
रुवनन वानन लय सालिहिल रुलिया हा मू न का काला ॥ ५ ॥
॥ ऊहि निसिसन गुनू वा ननु दू ना गह द्वादि गहन रुवा रु
व २ ऊ नम ऊह नम रुयव न्नन द्वादि गन रुयभा नू गयन सीः

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

हावी॥ **ध्रु** ॥ नागनलिन॥ जूनू लुनत थता वै का न रुा व न न
नूयचिगिनविचिउ क व सी २ॐ जा दूँ का न व जा म त मु द के स फ
सी ॥ धा धि न ह्ना ना म त म री ॥ **ध्रु** ॥ चन्द्रा म त न स वा धि ह् ल दाय
के स धि डि न वा यि न स ह् उ क ल ॥ २ॐ ग ग म ल रु त ल गु न्य क नू
॥ धा रु व सी सा न ना स नी वि न द नू यी ॥ व ज य न मा नू सा य ग न्ध म्बू
सी यू नी ॥ र व स नी धा यि न य ॥ यि यू र्व २ॐ का न म नू था षा स न्ध व
ल व ऊ सी न धा यि न वि या क क ल सी ॥ **ध्रु** ॥ मृ नि नि सा ल न्द व ना
च न्द्रा ह्ना न स त्व मा नि य हि दि ऊ कि न नी २ द्य ग म ल रु न्क ग फ लू

यह वना आ की तम न्दा कि नी जल नूर्यै ॥ ५२ ॥ याद्यादि मानू मय गन्धाम्बु
सैयूत समय चक्र यवा गिग विमल कल गंश्महा वा गड वीरुय वाधिति
रु नूर्यै समय सत्व हान चक्र भकीरु गी ॥ ५३ ॥ नागनाद ॥ नका व न दानि
नि भाय न सन्द नीश् अस्त्र दल ग रु ऊयु ह न दानि कि (ह रु रु गु द्वा द वी
वा नू धी माम कि द वी २ ज ग न यु मा दि न नय न सूरै (ग रु रु गु द्वा द
वी वा नू नि माम ह कि द वी ॥ ५४ ॥ आ ग म व द यू ना द व वा रथा ग ध
न म दि द्वा गु नू उ य द (ग ॥ ५५ ॥ यश्च वृद्ध स्य नू स्व नू य द्वा गु द्वा २ स
ह म्र था गि नी ले या ह नू व गु ह नू व ॥ ५६ ॥ स ग गु नू च न (ह सि नै

गतधनीया २ रु नयिसु नत वज सु नास नूयी नी ॥ **क॥ नागविरा**
 स ॥ **गम** कू द रु नय **अ** स्तान स्व नूय २ य **अ** मिया न स य **अ** सा नी यू जि
 या न ॥ **क॥** बु द्धा द व वलि नाय गिरु वन धि न २ वी न म्य नाय क स
 मयान नन्द ॥ वी न वी न **अ** न स रु जान नन्द २ क न क म ना व रु द द या
 नन्द ॥ **क॥** य **अ** वू ड य **अ** स्त न्ध स्व नूय २ द वासू न न नयु मुदि त द
 द या ॥ **क॥** **ॐ** आ दू दू र्वं **गम** ध या मि न २ द म नू घ ष्ठा ध नि वि नः
 मान नन्द ॥ **क॥** **नागानमस्का न** ॥ **ॐ** आ दू दू दू ३ स्य च्छ विम न्य म नू दू
 दू दू ॥ **क॥** न ना दू दू दू न ना चि न्ना न ना दू दू दू ३ ध व ल सु सी विरय

२ (गम) कू द रु
 २ अ

चन्द्रमन् २ दूँ दूँ दूँ ३ स न द स स रित्ति य द ह ध नू दूँ दूँ दूँ ॥ ५२ ॥ दान्दा
लिगनथा ग ध नू दूँ दूँ दूँ ३ वज घ ष्टा समूडा आ नादिना ल दूँ दूँ दूँ
॥ ५३ ॥ माया विद विलिङ्गा ग ध नू दूँ दूँ दूँ ३ स्वहिय वज मत्त आ नाधि
ना न दूँ दूँ दूँ ३ ॥ ५४ ॥ नाग रु न वी ॥ ऊ र्य ऊ ह र्य वा च्छु त्रि ह नू व ध न
न्य २ स य न स न न वज न वन्दि न चल न ॥ ५५ ॥ न ह ह रु ग व तीया
दू म न म हि म धु ल न ड ल घ ष्ट उ ला हा हा ना हा द व हा उ आ रु ल
न वि रु खि त न ड ल घ ष्ट उ ना हा हा ना णि नि णि नि णि न य न न ना
गु ही न य ना ॥ क ल ति क या ल गि ली व लू द ल न ल सिल मा ला २

कलतिख लीगवलमकूटकम् ॥ **कृ** ॥ सिलससिंधूलनयनकर्ज
लरुलजात्राकमुलीकर्यनरुलयितवाला ॥ **कृ** ॥ गवन्निमून
तवजवन्दिनचनलश्यनमामिरुववसरुजानन्द ॥ **कृ** ॥ नाग
मधुमन ॥ विचकलनविभलिमहुलमा ॥ सरुजानन्दमूनूतिध
नाश्वजवाजाहिआलिगनसम्वननानात्रस्मीमहाआला ॥ **कृ** ॥
ननादूँदूँदूँननादूँदूँदूँननाचिन्नागनादूँदूँदूँ ॥ नीलावर्णचरु
नवकुप्रतिमुखगिनगुयनमानन्दमूनूतिधनाश्विभ्वजजुइ
चन्द्रजनामकूटधनाहाउआरुलनगु ॥ **कृ** ॥ वज्रघट

ज
व
क
३

गऊ चर्म दम नूर ख ली ग ध न वि न मान न्द मू नू ति ध ना २ क न गि क
 या न य न स या स ध ना णि गूल व द्म सि न न्ध ना ॥ ५२ ॥ गि दि ग वि
 दि ग का का म्या दि ग ऊ म दा यि या न स रु जा न न्द मू नू ति ध ना २ न
 मा मि २ धी च क स म्भ न स न गु नू च ल ह जा ना धि ना ॥ ५३ ॥ वा ग ग न्म
 न रु न वि ॥ ॐ आ दू रू ट जू न्म स्वा हा म नु वि (ग व उ ची नू ल २ यू जा
 यू जि न यू द्म (ग हा व न्म त्व वि (ग व उ ची नू न ॥ ५४ ॥ ख ख ख वा यि र वा
 जू वि व नि यू ऊ डे ल द्य द्य द्या ट य द्या ट य वि द्य ह न न य क्श मि या
 न स य क्श सा नि न य क्श ह न जू व व नि ना ॥ सर्व य द्म ना द्म स रु न य

ना॥ ५२ ॥ स न गु वृ च ल (हासिली गत धनीया २ श्री वज्र का ग्नि च
 ल न्य स व ना॥ ५३ ॥ ना ग रु न वि॥ पु वि ण नु रु ग व न म हा भा द्र यु
 व व ल द स यि नू रु न वा धि य द २ ऊ ना म व न रु य व न्ध न भा च य
 य व मा मृ त म य य व भा गु न॥ ५४ ॥ न हि व त्स म हा या न था ल म वाः
 धि चि त्ता मृ त या न यै व भ २ द स यि ष्ट रु म (ग च ल शु क्त न थ नाः
 नू रु न वा धि य द ॥ स र्व न था ग त यू ऊ न या मि घा न या मि या य न
 नू २ य र्ग या स दि खि त य चि व रु के म ल कू लि स य लि रु म ल ॥
 ॥ ५५ ॥ कू सु म उ द क म कू टा स नि क म ला जि न कू ल या स म योः

चार्थयर्द २ मन्त्राञ्जनदयन भल द्ययैद भव न गति यद रुमल
 ॥ **५२** ॥ नमामि २ श्री चक्र सम्व न गु नु वाक् द ध ध त्रिया र स त गुः
 नु च न दामि श्री ग न ध त्रिया ज नु रु न सिद्धि भा द य दाय नि ॥ **५३** ॥
 न ग वि रु स ॥ उ दि ना न ल यि या य व न दू ना २ व न द सू दाम यः
 कै का व स ल ना ॥ **५४** ॥ धाल दू ल रु य नी सा ३ रु त्रि ना २ जू र व
 य नि ली ज न भा र्व कृ ना ॥ दि न क ल म रु न म धे र्व को ल ग ना २ क
 नू ना मृ त ल सी स्य क कृ ना ॥ **५५** ॥ द ग्म जू लि रु य य ति नि रु न्का
 २ द वा सू ल न व सि ल न मि ता ॥ **५६** ॥ ग भ व न्म या व न य ति गु नू रु

विषि विहमि

रजोका

गता २ श्रीवज्रवाचाही गुड्डसि वनमिना ॥ **५५** ॥ नागहवनवी ॥ विः
विहमिह नू लमा मालू त्रियू कुद न्य २ द वनल जसू ल गन रुव
नहू रुं क नू ना ॥ **५६** ॥ नाच वनमा मिथी स म्बल विला ॥ वज्र आग्नि
लनि प्रमहो मू द्वा गमला वज्रवाचाही जालि गन के (५७) २ च्छति
समिल विलेश्व न समल समुख श्री गमला ॥ **५८** ॥ गम कुद रुन विः
ममल गुरु द न २ के नू लू नायन समल समुख श्री गमला ॥ **५९** ॥
हाद सुकु ऊ धनि चानि श्री वद न २ नील सी हा लू न ग गन सह रु
क लू ना ॥ **६०** ॥ नाग जू रु ठी ॥ हा ठा रु न न कि या प्रस म्ब न ध न यि

कवाजिल रुसा २ गु द्रु धा न नम यिलिय सु ग्म न म कूट क भदिः
 गला ॥ **क** ॥ न न भा न स म्ब न नाया सम न स सु न्द नी भा न का ना २
 रुम वि ना हि नी व ड वा ना ही रु दाम हि या न सा ना ॥ सा नि रुय न व
 ल स सु रुम य न क र्यु न रु न यि न भ्वा ना २ ग ग न नि ना व लु व न्धि
 न ऊ ना भ नू म लु ल रु व ली ना ॥ **क** ॥ गि य ध नू ख र वू ज च्छा दि (ग
 ल स म्ब न य यि स यि मू न्य रु दाला २ रुम वि ना हि न व ड वा ना ही
 २ द्वा वि नू द यि जू न्ध ना ॥ **क** ॥ ग व नि ली ला व ड ऊ गि नी या
 म्ब न स ग गु नू च न न ज्ञा ना (ध २ स म या न द रु ति (ग ल म लु न स

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५॥ नागमालव ॥ निजजुवजूवधूहूवूवना
याश्चिह्नं नगमनयागिनियौययिसे ॥ ५॥ ज्ञानन्दादिद्वौच
लिज्ञानन्दादिद्वौ ॥ नाचयिहूवूवमनसासैयूहू ॥ यूहूसिगनः
हिरूवूनिहूकूवहूवूवश्चवजीजूनकायिवयिसेनौक ॥ ५॥
ग्राह्ययिचन्द्रालिश्चगीतज्ञानकाकिनेनिवाजून
॥ ५॥ ज्ञानिकालिद्वयिनालधननश्चकीदनि कमलकूलिसवा
ऊन ॥ ५॥ ययिसेयिगाम्बिज्जद्वयसऊगश्चवूयागिनीमंग
लग्नी ॥ ५॥ दसमीधानीचोनीवताविश्चलयनचवूसमहूवूः

वृवाला॥ **कृ॥** नागमधूमन॥ यमुदितादिदगुरुमिसून्दनिः
 सनमनूमलसंस्मिन्नलयनाश्वादेगुरुजक्षत्रिचात्रिचउव
 दनवज्जवानाहोक् (६०) जालिगना॥ दूं दूं दूं शदहदिह रुन (६१)
 मानगयनर्मवाधियात्र शदन्दालिगनजुदयसंरुवनाचयि
 दान्यसम्भननाय॥ कूलिसगद्य (६२) गजचर्मगि गूलाकलिदम
 नूगुरु (६३) हिन शमेष्टयनी गकया लखली (६४) गया गयनशुव
 झसिचन्धना॥ **कृ॥** यश्चि नवलमकूटजालीकनवमूडाजः
 रुनहाहृषिताश्चालिकालिदूयिजानीधचाययि व्याघ्रचर्मः

निवासन कृष्ण नू॥ ५॥ ननसि नमना जालभा श्रीसम्वनदि
वच कृष्णिनी के नूनहिया १ ऊयै लमऊ लमरु मायस (६) गभव
नियनमादिव ऊगी ना॥ ५॥ ननगरे ववा॥ ना नऊ नि॥ गिनिनिना
यनचरु नव वक्र विहा ना १ नवि गनि चायिया नवयि धन॥ ५॥
॥ काम के रे या काम नहि सीमा ना १ ना गध वभा रुन वन्धि न च्छा
दिया॥ वामदहि नक नगु वा नया वि १ ऊ नयि वजान न आरु
निदिया न॥ ५॥ युल्ला घट्ट उयायि न वजा १ वऊय वन घन चि
यसी रु (ग)॥ ५॥ कर्तु वा न न ऊरु न न समय १ क न दू प्रनिः

१ गिनी
२ व
३ व
४ व

क्लामधु नहाम॥ **५२॥** नागरु नवि॥ कल्यादि वस्त्रिनी अक्षय
 मिलमूलि सोधि कालिगन विनिरु वनी श्रवत्यलम्बा धन जीलि
 गङ्गा काल अक्षु नाग आरु लेनी कृष्ण वलना॥ **५३॥** असु नरुय
 ह लेना सुल दूषु तीद वमाल वनमर्थनीया यह नना श्रविवि
 धिलियूरुवधु नीविघ्नवि (धामन) उद्यादिसदसदिगगासकल
 नी॥ दहिने कल निधलयश्च दगि निला चनी चलनदायमथन
 सुमृति गमनी श्रवामखली गधलवक्त्र कयाल रुयै वसमूढः
 सा गलमनुयानी॥ **५४॥** धाल कूडूल विल अक्षु हासनी विन्दुव

लमथनी कला न वदनी २ व्याद्युचर्मनिर्वसन नल नृन्नुमा ला
जुलिवत्रिखादनी लिङ्गिरु लनी ॥ गम वन्नि सु ल न वज गुलू न गा
धन वधरा वनासनमा नय न नू २ वृध धर्म सासन संघय लिन
खर्क श्रीमह काल न वया दसना ॥ ध्रु ॥ गग विराम ॥ कोला ॐ
प्रथिया धोले म्मू न के कोला २ घन कियो ० हा वेङ्गे ॐ क नू (हा
कियो ॐ ने ला ना ॥ ध्रु ॥ मल्ल ये ऊं कुन्द ले ठीं जी मा न हि ना द वेः
ऊं ॐ ॥ न हि रु ने या ऊं गं धं मय ना वि वे ॐ आ ॐ ॥ हा लि को लि
ऊ नय वं नं दू नू नू वेङ्गे ॐ आ ॐ ॥ ध्रु ॥ चउ से मे क मु नि सि ह्ना क

यूलो ॐ आ ॐ गौमत्रय ॐ न्वेनसा लिंउं लं नं हि रु चूं वां ऊं आं ॐ
 ॥ ५॥ प्र दे ए र व न ल के ली नं सु धा सं दु मू न ॐ आ ॐ नीला भू हे
 जै ग च न्द्रा व ॐ न हि उं से आ या नं आ ॐ ॥ ५॥ ना ग रु च वी ॥ जय
 ऊय वा च्छु लि स य ल स न्द लि ना अ य य दु ष सं हा व न्क ॥ गु ष्म शु मन
 न्क क लू ष वि ना सि ले रा ष दू ना स र्वे ना मि ले ॥ ५॥ लू न षू न अ
 दान दूं का ल स जा न नि ल वा लू न ॥ जि म ऊ ल या नि ल दे हा यू ले न्क
 जि न ऊ न नि नि ल व ज था गि नी ॥ ऊ यं ऊ यं हा ल आ रु ल न गु ष्म क
 ल गि क या ल वा ल धा नू ल ॥ धीं स ॐ दू अ नि ल अ न ल अ षू म हा रु

अबनिनि

यनिनवाल्हल॥ ५२ ॥ जयं जयं लूडसमभन्ययिथीयिधिगीव
लूडनलसिलमागा॥ विनियमवलाकीभऊगरकनूषनाधनि
ल॥ ५३ ॥ जयं जयं नाषदूऊगरेसीसालयनमामिअदयवाक
लि॥ विरुवनरुद्रयकुदविनानालयकासीगा॥ ५४ ॥ नागकद्र
॥ अवनिनिहि नवामजानूअसवोरवगीकिनक्षमा नसक्रासा
२ नागद्वेषमारुवन्धिअयाभगिरुवननायअचलविना॥ ५५ ॥
नमामिग्रीचलुमहाअवनजातमृह्युनिक्कुदिना२विश्वनाथ
विश्वव्यापितविनविक्रमहाकाधनायाजातमृह्युनिक्कुदिना॥

२ अत्र निरुद्ध

अतिरीषक्षउग्रप्रचन्द्रादष्टकनायाविद्युतकिञ्चक्षश्यीतिनञ्
धनाककेननयक्षवेनिसन्नासावाखदूसनेक्ष॥ ५२ ॥ माधवमा
यायूनन्दनखद्मानुदयिष्मचायादरुनकाश्चसमनसमायाजाग
विभाहाहाननायसभाहिनदहा॥ ५३ ॥ नन्नारुनक्षयहालितमी
लिकेयूननूयूनमनमनकावाश्चननननागवन्दितचनलोना
यसूनश्चनञ्चलवीना॥ ५४ ॥ नोगकमाद॥ अवनितिहितज्ञान
निनसमदहाश्चककनप्रिनयनलीषमवदना॥ ५५ ॥ ननादूँदूँ
दूँननादूँदूँदूँदूँजातञ्चलकाधनाया॥ निविधिघनदूँतिः॥

८॥ अहिरात्रयै (ग २ या ॥ रवर्ग ॥ धात्रि विरु वननाथ ॥ ५॥ हजि
 रु न व द्वा ॥ १० ॥ च उ मा ना ॥ २ ॥ माल विद्य न दू ति ॥ ११ ॥ रु य रु न द्वा
 ॥ ५॥ वि वि वि न त्त मी त्रि नै क त द द्वा ॥ १२ ॥ ग र वि नो जि त व नः
 रु न प्र दाना ॥ ५॥ ना ग म लान ॥ १३ ॥ ग न्ध म लु ल म (ध वै का न सी जा
 ना ॥ १४ ॥ दि यु ज्ज क मू खि य धि वि द वि ॥ ५॥ न द्वा हि म द्वा द वि
 य था वि मा ना ॥ १५ ॥ सर्वे न त्त सी यूर्ध्व रु षि ना ॥ १६ ॥ यी त व र्ध्वा सी म नू यि ति
 द वि स र्वी म रु यी क न ला क सी ता न नी ॥ ५॥ क न क रु द द्य त वा
 म क ल धा न द्वा ॥ १७ ॥ स र्वी ज्ज रु यी क ल ला क सी ता न नि ॥ ५॥ दि व्या

१ जूलाय ५५

१ वामखयल

३ कात्रहृषित दहा २ हात्र नूयूत्र निधाष वसून्धत्रा ॥ ५५ ॥ नाग
ललित ॥ अलय ५३ न श्रीम ५३ कुमात्रा २ ५५ ५५ धत्र कित्र न सी कीः
५५ न दहा ॥ ५५ ॥ दव श्रीम ५३ धाष गिरुवन व्यायिता २ नीकुरव
ग धत्र दहि न कत्र धाली ॥ वामयूसू क धत्र सूत्र गुत्र नाया श्यम
गासन कीसन दहा ॥ ५५ ॥ दहिने वाम कत्र धनू ५५ न धात्रि २ च
उत्र मान दय्य दवानय दहात्र ॥ ५५ ॥ उगत मय्या दनाथयमूदिः
गद दया २ अहि मन सूख रूल वलपुदना ॥ ५५ ॥ नाग विरु
स ॥ वामखयल धल दहि न कलति श्यायल नउल नून्द मानाउ

२ निदयेकम

विलहलहलनाच०० न कउननतियवजआगिनी॥ प्र॥ गिनिह
गुदहविप्रिगुवनय०० सहलहलनाचंयीन कउननतियवजयागि
नी॥ प्र॥ कालमिगुदुयीयास्यलवन्धीया२नाग(धषभाहनक
नतिनकुदिलहलहलनाचयिन कउननतियवजआगिनी॥
प्र॥ थूलसूक्ष्मदवीनिलजनदवि२सून्ययागुदविसूनसम्भाव
हलहलनाच०० न कउननतियवजआगिनी॥ प्र॥ श्रीसिंहानु
नेदवीकलूनदहवी२मुखमार्गदविगुद्वासिवासरावहह
नाच०० न कउननतियवजआगिनी॥ प्र॥ नागरास॥ गिदलक

२ निदयेकमलः उदयतिमधूकरसुखवायः मनाहानादविः सिरुवनश्वनीः गिरुववापि
ताः श्वराः आयुः सुदीनश्वलीः नृदयहानसु॥१॥ गिनदुर्दकानुसर्गदममिर्गः परम
तनेमसुनीश्वराः हतिरुवलेसपिः ॥२॥ ॥३॥ ॥४॥ ॥५॥ ॥६॥ ॥७॥ ॥८॥ ॥९॥ ॥१०॥

मलवनकुसुमधुंकलरुहंलवल्लिना २ श्रीविनूयाविरवगामु
यनेमस्वना ३ रवाडागिरुवनस्वस्तिमास्वयंकुत ३ रुमीनलरुवेमु ॥ ३३ ॥ ३३२

मलवनकुसुमधुंकलरुहंलवल्लिना २ श्रीविनूयाविरवगामु
स्वयंविंम(ध्वनं)पोलसुव्यायिना ॥ ३३ ॥ नमामिनेनात्मागिरुवन
व्यायिगावच्छलादंविश्रीमृगथंलिसयलसुनासुलवन्दिनचंन
नजु(लंग)त्रिंद्दिसिद्धिबलयदागा ॥ नन्दनंवनचन्दनंनलवजु
लंगकुसुमयात्रिजातवन २ नीर्थगंशिसमवाद्यमेतिलजुन
गनिलथसुदनिर्म्मना ॥ ३३ ॥ जूषुलवजुषुआग्निंदवीजु
भगदवासुनखगयात्र २ जूषुमंहारुयदुनिननिलवाललजु
भगविंघनविनासन ॥ ३३ ॥ विश्वव्यायिगातनुनिंदवीजुखय

निर्वञ्जनञ्जगिनिर्मला २ ज्वरिमंथसुखरुचदांयनिजलमज
 लमरुश्रयाथामलना ॥ ५२ ॥ नागधनासिनासवाक्रान्तामहा
 स्रवलिनाचउज्जानन्दसूत्रयिनिशितुववनरुचयिमहासूष
 लिनाचदुसूर्यदयिम्यलिया ॥ ५३ ॥ नयायलिनानयून्यलिना
 गिरुवनयकसूत्रयिनिशमविविकल्पविध्वंसनिदविज्वन
 रुचज्ञानवलदायनी ॥ ज्वमिगारुमधुलतादियाग्रयिनिक्
 ल्याननमिवलूयिनिश्कलतिखयलखत्वीगधनिप्रह्लाहा
 नवलदायनि ॥ ५४ ॥ गिगम्वलमकूटकसाचक्रिकुन्दलकैः

धि धालि २ म्यषलमन्दि गलाचक्रस्वरुग्रीवलयुवनलसिलः
 माला ॥ **ध्रु** ॥ सर्वे तथा गतजननि देवी विवहिर्गैरावज्रुकावा
 २ श्रीवज्रजागिनिसिली गत धलिया गभवन्नीसमलसवजा ॥ **ध्रु**
 ॥ नागमालवा ॥ वज्रिधात्री श्रीवज्रानि २ सिंघीनी वाघिनी ऊर्म
 कउलाकिनी ॥ **ध्रु** ॥ नमामिहि श्रीआगामन्नज्ञानश्वरीया २ गि
 नीन्यनुद विगिरुवनययिषा यूर्वउरु वयम्बुमदद्विदिदिग
 दवि २ गकिनीदियिनीचउसिर्वैवाजिनी ॥ **ध्रु** ॥ चणुत्रदिगरु
 न्यरुलनुदवी २ गिनिननुदवीनाचन्नि देवी ॥ **ध्रु** ॥ हविहन

वक्का ॐ न्य असू नमाया २ खाद म द वीसमनसम्हा व ॥ ५२ ॥ नाग
 नाग ॥ नाव ऊ नि ॥ चा नी चल हा चा य यि च उ माला २ आ थ व य न य
 नि मूर व णि न य ना ॥ ५३ ॥ ना च यि रु नू व ने नात्मा दे वी स हि ना ॥ अ
 बू था गि नी ग न दू ने दू ल मा गु ॥ कू कू व न हा वा उ म रु उ रु ल न्य
 २ वा घ च ल म ध न रिं ग ल क म ॥ ५४ ॥ च की कू ल क ठ नू च क
 म व ला २ वि रु नि वि रु व न म नी आ ने दू ता ॥ ५५ ॥ ग्र ध यी ल मः
 ल स स रु उ आ न द्रि ना शि रु व न स च ना च ल यै न क मू नू ति ॥
 ॥ ५६ ॥ ना ग टा ल मा ० ॥ ना हि म हू ल मा म् उ त रु वि ना २ सू सू मः

न सहज सुखान गता ॥ ५॥ देवीविग्रमसिग उद्ध गता २ ग ग द
 साखलमाभिलिन गतादि दिन क न नि न यो ग धत्री २ वामखल्वी
 ग ध उ धत्री ॥ ५॥ स व काल मूरवमालसी ग सि ग २ न न सिल
 माल विन विना ॥ ५॥ रु न यि सु न त क ज दूर्ग ती री ता २ उ लः
 म उ ल म गुरु स ल न ग ता ॥ ५॥ नो ग रु न वि ॥ ग उ ह उ हि न उ ह
 क हा ॥ थ ध निया के म ल कू नि स र्ज ग वा न २ उ म नू क ल हि कू
 ता ग म ल वि गू ना वामखल्वी ग क या न ध ना ॥ ५॥ ग्रा स म्ब ना या
 वा च्छु नि गु द्म उ गु नि ना २ मान ली ल चा यिया न मा य सह उ स्वः

२
का
वि
से
न

रु व भाम नि ना ॥ या सह व न भा द क द्वा द सी हा ॥ थ ध लिया कम
ल कु नि स र्ज क् वा ना २ नि न ह नि ना हि न क न काम य च उ मूर व
ज नि वि का ॥ ५ ॥ ज्वा ली ध या था रु न व वा य यिया न का लि ना ॥
वि वि म्ब मू डा २ वि श्व कू लि स ज्जु च न्द उ टा इ न व्या द्य च र्म ष न मू
डा ॥ ५ ॥ कु नि स म्ची न वी न श्व न ना य क वि नी च कु म हा वि न वि ॥
ना २ क नू न ग्ग म न वी न वी न श्व न रु ज्ज यि स य न सी सा न ध ना ॥
॥ ५ ॥ ना ग वि हा स ॥ ना न उ नि ॥ दा वि स न व न वि ना स यि क यि ॥
सा २ उ थ रु ना दा म धु ल ना थ रु रु ल ना च रु यि न रु क रु ग ॥

निर्वसीयाल्य॥ ५२ ॥ जूमियज्मृयानि नञ् नदस्य २ सहजसू
न्दत्रियाजिनउल्लवाल॥ ५३ ॥ जचउआगिनीहित्रिमिलिमित्रि
या २ वज्जवाहादिज्जालिगनकाकैल॥ ५४ ॥ उथरुनादाकनून
कवात्रि २ ऊयज्जालिगननिनावल्लुचाल॥ ५५ ॥ सर्वनाथाथैग
नासाने सर्वनाथागनालयै सर्वधर्मगनेनाई द ५१ मधुनभा
रुमी॥ १ ॥ सान्धधर्मगसेरुनेहानचक्राविश्वधिनैसमनुरुः
द्वेगा (गं) दसमधुलभाहमी॥ २ ॥ सर्ववदनसंयूहसर्वानेक
नवजिनैसमनुरुडकाया (यं) रुखमधुलभाहमी॥ ३ ॥ सर्वस

त्वमहाचिन्मसुदुयकितिनिर्मलेसमन्तुरुदवाचा (ग्रंथावमधु
 लमालेमी ॥ ४ ॥ नागहेनवि॥ नात्रजगि॥ जूष्टदणनयालदिगः
 विदिगदिगरुवन्य २ ध्वंसिप्रमानचगुनघन॥ गगल (गुषनग
 गलपू न २ कालगगनदमनृद्य ६ वाजिया ॥ ५ ॥ दूंदू नमाः
 मियश्चदाकदाकिनीयचयवेनि स्नानदाकिनीसनलय (गय
 गगा ॥ यूवउलनयस्त्रिमदद्विनचगुनरुवभविद्यनखधिया
 ॥ वजुगकिनीघानवगानगकिनीचधुनगकिनिचगुनदः
 वी ॥ ६ ॥ सिद्धिनीवाद्यिनीजम्बुकउचूकिनीखलीगकयानर्भूः

३ विद्यनमान ३

कृष्णदत्तहस्ता॥ दाकिनीदियिनीचउसिकम्भाजिनीधालनम्वादः
 लसैकाभावदने॥ ५२ ॥ जिनऊननिदविदाकिनीगुइयायसनः
 नायश्चमूडाआरुलनरूषीयात्र॥ खवर्गहृनकलवजघटखत्वी
 गयाभयनमामिदवीग्रीहानदवी॥ ५३ ॥ नागणावेनि॥ नालूः
 नायमाथ॥ नम्वाकलनम्वादुगिनयनश्कल्यसारुकरसिन्धूल
 रुषिता॥ ५४ ॥ गनानाउद्याद्येननायूलहाथयनशुधना॥ गजमू
 खज्जसूतुक्षानिकयाजमृनितमृनिभाहृनिज्जाकषनिश्ज्जा
 दिमक्षातकल्यानसिद्धिकने॥ ५५ ॥ स्वर्गमिक्षयातानगिरुवनश्

गलयनियुजिलसर्वकारुसीद्वि॥ ५॥ त्रिद्विसिद्धिस्वरुवसंयुद्ध
 ऊयविगलेश्वप्रिगुवनवायिता॥ ५॥ नागरुनविवायिऊनथाः
 गनऊनमलीयालसमयाचालीवयिथनालशदहदिसदसवन
 ज्ञानधियालसमयानन्दरुननिहा॥ ५॥ विनवीनश्वनवेधना
 लमलुलसमूहाविश्वरुनिय्या२७ऊकावनलिदानधयादानय
 नियाविद्यानिनवाचूल॥ यूव्वेशचनदक्षिननत्तसम्ववज्जमि
 नारुयज्जिमवायिता२३ऊनज्जमाद्यसिद्धिमाज्जदुखसमया
 नन्दरुननिहा॥ ५॥ समाविश्रीसन्वनमाज्जकाचक्रहवज्जका

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

यविश्वरुलिया २था गथा गिनी वृन्द जन दास मयानन्द रुलनि
हा ॥ ५२ ॥ सिं रुनाद वाजिया नद म नू य ग्गार्थ जू वृथा गिभ नदा
यन न २जा न न्ध त्रियूना जू व धू व न यिया न क र्ण या च न दारु न
ना हा ॥ ५३ ॥ ना गरु ने वि ॥ ता न दू र्ज मान ॥ ने मा मि र्जि न धा रु क
ल न्द क च रु न म नू ति आ लि गि ता २य ३ र्ज्ञान य ३ धा रु स नू या
वृद्ध धर्म आलय न ग्ध ना ॥ ५४ ॥ न ना दू दू दू ज ग न सै ग्गाल म्म धा वि
या म ना रु न न म मु २य ३ जि न रु ग्ध ना ॥ ने मा मि र्ग्री ग्गानि यूल
ग्ध ल्पु द्वि सि द्वि व ल दा य नि ॥ दू नि न रु ल न सर्व या य दू ली दान यू

२३
५३
५४
५५
५६
५७
५८
५९
६०
६१
६२
६३
६४
६५
६६
६७
६८
६९
७०
७१
७२
७३
७४
७५
७६
७७
७८
७९
८०
८१
८२
८३
८४
८५
८६
८७
८८
८९
९०
९१
९२
९३
९४
९५
९६
९७
९८
९९
१००

२३
३

छादसिकयू न त भ्वा ना ॥ **५१** ॥ सू न त वज रु न ग्ग व नि व स न्क रु न
व रु नू व क न दू व स न्क ॥ **५२** ॥ नो ग रु न वि ॥ ता न नू क न नि ॥ रा स्त्र
ल ख ग मू ख व ज चि रे न ध भ्मा द या य नि मि त न २ कू टा ग्ग न म ॥
ना रु न म धु ल व ज धा नु हिय क म ल व न ॥ **५३** ॥ द ध रु व नु न द
द य क म न हिया च क ल २ म धि सि धि व न वि ष्ट वि ना स न हा यि म
हा मू डा सि धि ल ॥ आ दि वू द्ध हिय म म ध न म धु न वि ना स यि व
जा न च क २ नी ना व धु सू न जि न ग्री म न म न्ना ना य य नि म र्थ न ॥ **५४**
॥ य सा दि न द रु दि रु ल ग्मि वू द्ध न ग्रा दू न ऊ ग न उ द्वा न २ स य ल

वद्ध जि न ५ क र त रा या वि रु क र ति म य वि रु रा य ५ ॥ ५ ॥ स न

त नै निहायि ॥ ० ॥ नागरासा ॥ त्रिशूलदमलवनक्षयसत्रसाध्वधूक
नरु नवल्लिना २ प्रावि नू याद खगमूषद विम्यद हमा लया व्यारु
हानि ॥ पु ॥ नमामिने नान्कम्या त्रिभुवनमाता वाचुलाद विमनलली
२ सकलसूनासूनवन्धि नचननञ्जयगनिधिनिष्ठिवनयदा ॥ पु ॥
नन्दवन्ननीवचन्दनतहै नू धञ्ज नगद शुभया निजागवन २
निचत्त गी गत समवागमति प्रञ्ज नयनि र्थ शुद्धगवन ॥ पु ॥ विस्वः
वियायितदा नू नदवी जू सयनिना नू यज्ज निमयि २ जू सय
हूरुयदू निस्तु निनवा ननि जू नगविद्यननिनवा ननि ॥ पु ॥ जू मघ

सुहेनव अस्सुआगिनीम (ध अ न्य ग द वा शु न द्वा य न २ अ लि म न्
 शु ष रु ल दाय न ध नि ज अ उ भ रु उ या य स न ६ ॥ ० ॥ **ना व म धू म धा ॥**
 वि च क न व वि स मि म लु ल मा म धि ति आ न धु म नू नि ध ना श्व ज वा
 वा हि आ रि ग न सी व न ना ना न स मि म हा आ ना ॥ ५ ॥ गी भ ना र्क र न
 ना र्क रू रू न ना न न र्क ॥ ५ ॥ नि न व र्क च तु र्क वे य नि मू र्व ति न गु न
 य न मा न धु म नू नि ध ना श्वि स्त व ज अ ध च न्द्र उ ता वा द्वा न ध न हा दारु
 न न तु स्त रि ता ॥ ५ ॥ व ज द्य ष्ठ ग ज च र्म द म नू र्व त्वा क ध न वि न मा न धु
 मू नू नि ध ना श्व क न ति क या न य न शु या स ध न वि शू ल व द्म नि न ध ना ॥

॥**पु३**॥ दिगविदि कां का स्यादि गजमुदादियालसजानन्दकल्यानबना
२नमा २ श्रीचक्रसंवत्सरगुन चननआनाधियाला ॥**पु३**॥ नागवसः
न॥ चन्द्रादि तं गुरु तं नै (ग २) अदायचियकूनागभन ॥**पु३**॥ नाचयिसं
व्वननातं भववजवा नाहिआलिगन ॥**पु३**॥ चतु नानधुही नै नन शवि
चिगुवियाषविनाजितनस्य ॥**पु३**॥ अनूहनु नै जमनु गिन २ क न नासि
द्यानविनाजितनस्य ॥**पु३**॥ अलाकालरलाका ५ रास २ आलालिकजदि
यनरास ॥ ० ॥ नागदंभषा सास्वतवजविनाजितसा लिनममूकूकः
मि २ वामरवत्व क कयालधनियाहा ५ कनति धनिया ॥**पु३**॥ आयीयादास

द्वैतसहजानन्दश्चकनसहावगूढगुलिनानमद्वैकसहजादवि॥
॥ निजयगूमधुदहधनधनियबूननसिनमालाश्चिनिधगुगुमरुन
न्यकीयप्रगुवठवी॥
॥
यनकाधन॥
मीजबवाधियप्रचगुकाविहानि॥
माधिवज॥०॥
द्वैतसहजनकनद्वैतवियालि॥
गाप्रमूहचूवि॥
॥

मनि कल वहि यक्षिया नसना हि ॥ **ध्रु** ॥ साधु नाया प्रद्व निदाल २
चन्द्र गुर्ज धनिय काहल ॥ **ध्रु** ॥ रुनयि गुद निवूद न विनास २ वनय
नात्रिमाभा उरुय विना ॥ ० ॥ **नाग** ॥ हन नित्रमद्व तकि न किम निरासि
तचनन जाग ॥ **ध्रु** ॥ साहिया वडा सत्व यनम्य सा नचनन जाग ॥ **ध्रु** ॥ गम
सनि वह यियि धि कै थू गत गन व जाग ॥ **ध्रु** ॥ चानि गुरु नन चानि
रुग गय दूम जाग ॥ **ध्रु** ॥ गिरु वन जालि तमू नू नू नाय नव्य नव
त ॥ **ध्रु** ॥ नसमि सीहा सन्ति खत नस म्भर्ग सिहा सब त ॥ **ध्रु** ॥ वद्व विरुहास
निस ह नू नाय स ता व त ॥ ० ॥ **नाग नमस्का न** ॥ धूमा गश्नि चन्द्र कना

लिश्चिषनयीगलकसतिनिचयन॥**पु॥** जुजयीयाहादहासहजनउ
तिश्चुनानाविन्वमहावलियूजा॥**पु॥** समयनदुआगावनदवश्च
मुनिश्चवल्लुहवयन॥**पु॥** गीतकलेकच्छुणावनिहाहियश्यस्तीकर्न
कसमदलवयन॥**पु॥** भाउमहायीतवनगयनश्मच्छमान्समदन्धि
नज्राहानन॥०॥**नागविरास॥** धनधनदुधनधानधनश्चानयधान
यचक्रिगीत॥**पु॥** मधुनमधुनवजधकसमभददुनआगसवीनवय॥
पु॥ कून्वजधर्मसमयीश्चज्राभालिककर्तुवलयश्चकुलकुलुलिदह
धनशुसभाकनगीतकमनवय॥**पु॥** वजशुचीज्मूनतभाश्चिधमयसम

यदा न सह। न त्वा धृ क व न व जा उ न क। ॥ कि वि कू माल ध न ॥ ५॥ सा स्वः
न नि स्व रु व य न यै म ॥ सा स्व सह उ सू दा न म ह ॥ ७ ॥ हि र व ज ध क स म न का
य नि द्ध न भा च ध न ॥ ५॥ ॥ दू दू प्र ह्ना ध क गू क भा ॥ म्य व ल मी दि न य न मी मू
ख। दू रु न ज्वा दि न च न न व न प्र न मा मि गु न नि व ज मि न ॥ ६ ॥ ॥ ना ग रु
व वि ॥ ॥ जू रु द न न वा न दि ग वि दि ग रु व न ध मि न मा न च रु ल य न र ग
ग स्य ख न ग ग न म न म का ना ग ग न दा म नू द्य ण वा जि या न ॥ ५॥ ॥ दू दू न ग
मि य ॥ ॥ रु ग नि ल्क ना दा कि नि स न न रु रु रु ग्य ना ॥ ५॥ ॥ पूर्व उ न ल य द्वि व
द खि न च गू रु व न वि द्य न मा ना वि द्य न ख न्दि या न र व ज दा कि नि धा न

वागानाकिनिचधुलदाकिनिचतुनदवी॥**पु॥** सिंहनिद्याघनिऊवूक
उलूकिनिरयत्वकयनसूजैरुभदधुहास्माश्दाकिनिदियनिचवभिकवा
ऊनिधात्रजजैवीसकासवजनि॥**पु॥** जिनऊनद्विदविदाकिनिगुशयः
यसुननयश्चमूडारुवनतुखनियाश्खदगरुनकवजघष्ठवर्षकया
गायनमामिदविदौकिनिगुईयैग्रीहानदवि॥०॥**नागमलाद॥** मूगिन
खचिरमनिमउविहानागुनविहानघनगुनाश्भजिलमयिसाहान
अनधरुंदानागजिनमयिनाअघनचिना॥**पु॥** महादविनाऊभाः
रुनराश्चिदमागघनघनहिदनिडागानिवदगुख॥**पु॥** कथक

छिथा कानभमि तस्मादहा (र्थं) धउयद ह्म २ अश्विवनद धिनलकन
 उमनुवाजिन नञूनचि नयि दानरावा ॥ ५२ ॥ ननभात्रियत्रियातयः
 ग्यादिवालजयलीका १ श्रीखद अगुत्रिकमुत्रिकयूनायानरुयराग
 विनासा ॥ ५३ ॥ वक्राविष्कूमहृष्वनआदिनकालविवाहा अनूसाजा २
 सनगुनूआलाआगिया वैमिदचधर्मगुनगुनलानूसाजा ॥ ० ॥ वाग
 निनवधनामकि ॥ मनिमद्वग कम्भनूदमालविरुखितलवननसि
 नमाला २ दिनमनकत्रियावा नसाहिहा (र्थं) अमिनकवा ना ॥ ५४ ॥ गम
 वाक्चनदविनानिसम्बननिजघननानिथा २ उनमआरुनगगरुनि

बालिदिवसगन्निवसहिद्वितगन्नि **॥ध्र॥** चक्रिद्वदलकथिभाचः
 कुम्यरवउद्यच्छाभारियोश्वाद्यचमकधस्यनलवनउनहाथवाज
 यिम्ना **॥ध्र॥** जूस्ससमस्वानरुमयिभरव्याऊयिस्तउऊवदूनाश्चसमस
 नयियूसिगवभाद्यसमसाभावजवगालि **॥ध्र॥** वाधऊवनाभजग
 नाविचवूडुरुवनगुक्काह्नियाश्ननिवजऊगिनीचवननलिभग
 ध्निया **॥ॐ॥** नागहैनवि **॥** उँवजधकवजईकात्रभकालिनागिनि
 युनायग्निभश्चनयजूननूक्षाधभज्रचयीयविद्यलसमूहन **॥ध्र॥**
 उँद्यद्यघातयश्चर्वदूष्टनकिभयदूरुनयायहभश्चुँवजकीलयव

यमगानियुनमामिसर्वनरुनयिया ॥ ० ॥ नागरुनवि ॥ राष्टुनरवद
 मूनहानसमि वरुनति कूनययकुमि न २ कूतिगानमरु नर्यदलव
 ऊ धातुहिया कमलधन ॥ ५ ॥ दैद्युत रावतु न ह दय कमल गिर्येच
 क न २ निधिसिधिक न विनास न रायिमहा वृधि न ॥ ५ ॥ आदिवृधि
 हयासमिह नमधुलविलास यिषनच क न २ नियवियवनतीथीः
 मूनययलिभाधन ॥ ५ ॥ यसनिल्यदहदि न नसमिवृधनगवनजः
 गतुउतावि न २ सयलवृधजिन ७ क क नयियानिऊविऊययनि
 रावन ॥ ५ ॥ गुनुउयद न सिधयियूउ क्लि न खनज गतवृननः

१ नागगन्धन हेनवि ॥

निरुगतगुनु २ चवनसी नगतधनियारुनति वजगातु न ॥ ० ॥ गि

होव न ॥ प्र ॥ उ नू उ व द ॥ प्रा स धा प ॥ मू उ ॥

१ ना ग ग न्ध न ह न वि ॥

x
सा गो ३३

निश्च न ग नू २ च न न सी च ग न ध निया रु न गि व ज ग नू ॥ ० ॥ वि
रु व न मा न वि ना स यि च निति म व न ग नू न रु व न न २ न क रु निया अ
न्य का न य श्र न थ ग न लि ना ॥ ५ ॥ तु र या स स च न रु ग नि म हा स य न
मा मि रु (ग स च न २ श्री स्य ती रु ज यि वि रु व न ज न नि च द दू ना नूः
नि द वि सा ॥ ५ ॥ य श्र न थ ग न कै मू ट वि रु रि व न कै द ल ना ग न उ ला
ना २ सि ह च न मु ग ज श्र म वि रु रि व न ना ग न रु व न मा रु ॥ ५ ॥ अ र्था द
स रु १ कू द स च द न्य य सि न मा न वि सा नै न सि न व्या स ख ज ध नू वा म्य
नै ज न नि श्री स्य ना रु ज यि दू म च य वि ना सा ॥ ० ॥ ना ग नू ज नि ॥ ५

मनिमदनमाभननमिभनाथनवनयुहा२हादमालाखुखिनहाद
ननमिभनखन॥५॥दविमातनिहिननसवनाथनननविवजीः
न२विस्वव्यायितवाहाऊननिद्यदिरुयसवनिम॥५॥यनवकाल
सा५सादाऊनवऊमदिनस्यखन२डामियकूलकथिनल्लवाडिकप्र
॥५॥सानूचकभनिनिनयन्यराबदातिमनूबन२ननमनिद्यहा
नभायूचमानसयलययासन्य॥५॥कदियम्यखनरवीदिमीदीतसूख
सफूपराभ्यन२दहियेमुग्नियाद्यानरिखवनि कतदनिस्तन॥५॥
कूमेनददलविकननयनकनतिखायनकनधन२मायिऊगुति

मिगभावरियुचनननीप्रधना॥०॥नागरुनवि॥दवदिगंवन

कर्मैतद्देदलविकनेनयेनकनतिखायेनकनधनश्मायिऊगुति

* १५५ दिगाव

मिगभावायिगुचननन्नीप्रधना॥०॥ **नागरुनवि**॥ देवदिगंवन
धवलकननिगजचर्मविरूखितरुचयिसमरूजनयहारुनयसी
नवकालिनिगलचाययियुनमामिदूदूकन॥३०॥ काजसर्वप्रोकनू
नामयहंऊनमऊनमगुइभवनना॥**५१**॥ सहजाधनूमयआनआमन
विजदूखिउवनकयिययश्चलान्नीकायचक्रमयीचउमदूर्जमः
विद्यनविनाभनयुनमामिदू२कावा॥**५२**॥ यनयानिलजिमहनआ
मिगहभहगुनीभआनिनूयजानदमून्नियुनऊनमननरुयदूरव
विनासुनियुनमामिदू२कावा॥**५३**॥ भातनननभानमालानवित

x
२३
३३

आनआनीतिवृद्धीनामिहवविममिध्रीमगवजसत्वयुनमामिदं
कान॥०॥**नागविरास॥**ललितलालनातिलालयकेथकियखन
कन२हृहृवृवृमनिहृहृल्यहृसाएवृहृहृवृजिवृवीश्वरवृनाश्रु
हृःवृजवाजसआगिहृवृवसहृउनिनावननावननाज्ञन२गयः
न्यषयनमभाहृनभाहृल्यसमनसदमवृवजानृन॥**५॥**कर्णकृ
कृलुलमलहृलम्यखनन्यवृललमकाच२निनिनिहृजमाग्यः
जृद्वयआगिसमनमृटगुवृवजधाभ॥**६॥**वानिचननभादसतु
मलुलआ०वयनविकलानृन२जृष्टमम्याभकिठगुहृवृखयन

रुनरुनयजृन्यककृभ॥**७॥**रुनतिकर्णमरुनवृमसिअवनन

मधुल आ० वयन विकला नृप २ अष्टम म्माभ किठगुहं नृखयन

रुनरुनय अन्यक कृ ॥ ५२ ॥ रुनति कर्तुमरुगुनवृषसि अवनन
वृजद्रुविसेषु २ रुमरु वरु मुनिवानमहागुष ७ करुलया अन्यक
कृ ॥ ० ॥ नागमालव ॥ निऊरुव अ व धूवह नृ वसयिया शनिनरुग
गमन आ गीनिययीसयी ॥ आनदावि वाधुलि अ नदावि न नाथ
निह नृवामनस पूरु ॥ श्रीउदयान्य आ लयी चहुनलि २ सित अन्यः
हाकिनि नि कि वरु ॥ ५३ ॥ आलिकालिउ यीनाल वाउरु २ ७ च व
आगिनि मुगल गीत्य ॥ ५४ ॥ ययिसयी पुदि अयस ॥ २ कीदयी कम
ल कृ गहि डिना धा ॥ ५५ ॥ दसम विधा विधा विधा वि २ नययि ॥

स्य ह नू वरु ल्य ॥ ० ॥ ना ग म ल य य श्च म ॥ हि कि क स ला क स म का द
यि ल्य द यि ल्या दि अ न च न न ज ग म र्नि न य ग ति ना स दू ष या या य
य ह शि न्द म वि न त्त क ल्य वृ द्ध ॥ ५ वि श्रा वा ग वा क यू चा नू च न्द्रा व
ज न र्जि न ऊ न नि रु य ह न धी मा न स ता स न म य न ऊ या थी ता यू न
य नि ॥ ५ ॥ ऊ न द ह ग ति म द म मू नू च का रु ऊ न ऊ नि श्व ल रु व ह नि
र स्य न म न ल्य न सा वि स ना षा ऊ ट स क नि जी न य शु य या प न व नि ॥ ५ ॥
न वि का गि नि च न य ग न रू न उ य यू ति त क सी ध र्या ति त व मा नू ष श्रु

व त ऊ ष गि ना ति का न म मि ता शु ग ति ता रु व न्य मी या य न व ति ॥ ५ ॥ म म

वतजघनिगानिकानममितागुगतिताहुबन्यगीयायनवति॥५॥सगा
नरुयगानयून्ययदयनमामिदविश्राविस्वमूनगि२गवचनश्चिना
यसमीतैगुनतिगवरुवनगीयायदुगि॥०॥नागदसारव॥सास्वतवः
जविनाजिगभालिनग्नमूककगि२वामकत्वककयालधनियाहाथ
कनतिधनिया॥आयीयालमद्रुकसहजानद२कनूनसहावगधु
लिनानमद्रुकसहजादवि॥५॥निनयगूमधुलदहधनियवूनन
सीनमाला२तिनिधगुगुमरुवनकीयनगुमठवी२कनूनका॥५॥
सत्वविस्वरवनवधनूखनलायनकाधरात्रराखवक्षीचद्बानन

कीर्तिविशालिप्रदवि॥**पु॥** चानिषानञ्जवधधियननगुक्काविहानि
 नानगुन्याययसादनगभवतियनमाधिवज॥०॥**नागञ्जुहङ्गी॥** नका
 नसूहमधुलवकंदसदिगजिहलरुलनेरस्वयनुदधुमनगहनवि
 यायितववृजानेदगटका॥**वानाहि** (गभसम्भनानानाहंप्रीयालिनिः
 नावनिहृहृन्रवामहाचन्दालि॥**पु॥** कनतिकभागरखटकवाभमूका
 कसदिगवास्यरकनककयूनरुटरखधुनजिनगुनजुयात्रास्य॥**पु॥**
 कालासम्भनगंरुन्रवववृजानरवान्यश्मश्रुवजजूसिधैगभनमहामूडा
 युजिध॥**पु॥** धुनकनूनसीहाधधवृकूडीविमूकयैश्मयनमहास

हमाथाधप्रजागिनिकनयीजानेद॥**पु॥** सहजानदरुनयीनरुनि

ह मा धा धा प्रजा गि नि क न यी ज्ञा न द ॥ ५ ॥ सह ज्ञान द रु न यी प्र रु नि
 य वृ क र्क नि वा सा २ व ज वा ना हि आ वि ग न मे य न्य स म्भ न वृ द्ध क वा लि
 ॥ ० ॥ ना ग सा ग न ॥ ह न म नि म लि दि त म कू ता न य न्य न द्य न ता ना श य
 श्व व (६) स्त्र रि त म न्द ल म दा ल ज ग त हि ता ना ॥ ना वृ तु गु रु म गु व न्धू
 ल वा क्कु ला द वि मा रु २ चा नि म ल च वृ वि द्य न वि ना भ न क्ष व नि मा नः
 य ना य ॥ ५ ॥ स म य स ल्य न्न न ना नि वा क्कु ला द वि ना च नि न द्य न ता ना श
 नि क्क ना द द म नू वा ज यि गा मा न य ना य ॥ ५ ॥ बा द्य च र्म क ति म्य व ल स्त्र
 रि त ग्री व नू द न न नि न मा ला २ नू द मू द य त्वा क धा न क न ध नि व ज

या ला ॥ ५ ॥ नि नि नि भाय न हि व म द हा दू ग ह दू ख रु य ह न ना २ च कि
 कू लु ल क लि नू च कृ सा हि त ल लि ग म हा का ला ॥ ० ॥ ना ग (ग म धु गि) अ व
 नि नि हि त जा नू विला ग म द हा २ क क न नि ष य न हि र व म व य न्य भा ग
 ना २ कू २ जा न अ च ल कृ ध ना जा ॥ नि वि दि द्य न दू नि सा हि त मी (ग श यः
 स ख कृ ध नि गि रू व न ना था ॥ ह नि ह न व द्वा ० न्य च वू मा ला २ मा न वि
 द्य ग न स कृ रु य ह न ना ॥ वि वि दि न न्न मा नि ले कृ न द हा २ ज ग न वि वा क्ति
 ग व न रु ल दाय के ॥ ० ॥ ना ग ॥ क टि य क नू ना द वि नू द मा ल क्का ५ २ ग
 ह औ र्जे ने ठ न वा च्छ ल द वि ना च यि ॥ न का लि ग न गि रू व न व द्वा स्य गु
 ३

अथ न कालि ग न या ॥ रु द्र वा च ला ५ वि रु ग त र त न न २ भा द न रु द

हृदय... क... विना... का... हृदय...
३

ॐ नमो काली गनया ॥ ॐ नमो वाक्कुलादविजगत्तत नमः २ भा ह न रु गा
ना श्री ह नू वयिना चयि न कालि गन गी रू वन व द्र स्य तु मा न कालिः
गया ॥ ॐ नमो वाक्कुलादविना नानू यि २ न वू यया न न ग ग न न मा श्री
न कालि ग ल गी रू वन व द्र स्य तु नमो न कालि गनया ॥ कालिल रु न
व उ रु य श्री सा न २ न स च वा च न श्री व द्र ऊ गि नि ना चयि न कालि
गन गी रू वन व द्र स्य तु नमो न कालि गनया ॥ ० ॥ **ना ग भा ठिलि कल**
यि न धिया वाला मा मु नि न के कला २ घ न का यि थि हा व ऊ यि न के नू न
किया यि न ला ना ॥ म ल या ऊ द दू नू व ऊ यि न दि न्दी मा ट यि ना व ऊ यि

॥ गहिरुलवजयि गमधमयि नायि बयियायि २ हल काल जलयनया
 यि गयि हलवज नयायि ॥ चवसर्मक युनिमिला कयुनल वयिया २ म
 लयाज ०० दान सा लि नदू नू वज याया ॥ यखान दन के न गसा धसा
 धन मुन्दयि २ नि न शुह जू ग च ना बयि तहि ऊस ना पु यता ॥ ० ॥ **नाग**
गमधुयि ॥ दा विनि स न व न विला सयि कसा २ उ ध दू रु ला द मी द ना रु
 नत धि न का ऊ नि वा नि या न ॥ जूमिय जूमि ता रु ना ऊ न वि ना मयि २
 सरु ऊ शु द निल या जि न दू न ययि सयि ॥ न च वू जा गि नि १ ग म ना २
 वज वा ना हि आ लि ग न काल ॥ उ ध दू रु ला दा क नू न क न वा लि २ ऊ य

आहलि गन नि ना व नि न वाल ॥ ० ॥ सर्व ना ध ग ना सी नी सर्व ना ध ग ना

पञ्चावनाह अलिंगनकोला उथरु लोकोक नूनक नवा लश्ऊय

२५ वि ७३

आह लिंगननिनावनिनवा ल॥ ० ॥ सर्वनाथ गगनासीर्न सर्वनाथ गगना
लय २ सर्वनाथ गगनासान्क दगम धुल मूलम २ सर्वधर्मी गगनासीरु
खमिदल मूलम ॥ ० ॥ **नाग** ॥ यवि गुरु गवन मोहामूक यून न दस
यि नूतन वा धियद २ ज नाम न न रुय व न न म्ब चय य न माम्भ न य न
म यु न ॥ सर्वनाथ गगन यूज नाय द्या न यिमी म्य या य न न २ यु ज्ञ या सदि
खितय निध न न न थ ना नूतन वा धियदी ॥ कृष्ण म उ द कम कू ना स निर्व
म ना जि न कूल सम या ना ऊ य द २ म नै न्ना ज न ड य न स न ध य द स व ल
ग न य वि रु धु न ॥ अ हि व च्छ मा हा या न ण या न म द हि चि न्ना म न या

न्यरवजन्यनापूनहाविना **क्र** रुवयात्रयानलनैज धननैदाहनह्ला

२४ वीं विभागे

नकुसा २ रुवाहा बविवजितनूनननगयनशुत्रयिनि **प्र** यदमवः
ऊयदमिन्नगतनिरियागवयिरासकुलिसा २ नूननननिधिभादः
यदायनियनमामिध्रीकजऊगिनी ॥ ० ॥ **नागरुनवि** यूर्ध्ववर्द्धयनिह
नीवाहानाकनकर्वनजुद्धशुगधनि २ ३ गुनमेहधनि विखवाहान
चन्दनधवलप्रिगुलहसा ॥ हाहाजुद्धमसानननिनवलनगदिन
जुद्धरुनवगधयनिसदिन २ जुद्धनिधिजूनचननभादयदायनिः
शुमनर्कया ० विनाहसनि **प्र** यच्छिमं नूद्रायनिहसिवाहानाकूक
मवुनाविजयहसा २ दक्षिणवाहादिघनधाननूयिर्जुद्धसहिनामदि

म
२४

रवा ॥ नि ॥ ५॥ नृसानच निद वि धूमवना क न निमूल व वलि वाहनाः
२॥ ज्ञा ॥ गदी ॥ की म निमय न माहान न ग न ला द्वा व न न ॥ कि ह स्मा ॥ ५॥
ने ॥ भ विष्णु वि ग नूड वाहान ग दा च क ह स्मा मय न क्ष नि २ वायू व चा मू
दि के काल व न निद्रा वाह २ ना ख द ग ह स्मा ॥ ५॥ जूष कुल ना ग द्या न्माः
क्षानि स्व उ या ल स हि न जूष द वि २ यु न मा मि द वि न वे या द जूचि
ल रू गु नि मू गु नि ज स्य नि द्वि क नि या ॥ ० ॥ ना ग ह न वि ॥ च न्द्रा ग्र मः
॥ न ॥ ग्री य ॥ वृ द्वा वा स वि ना ग न ग र्दि न भ द्या २ ग द्वा न य जू भा य व द्वा
प्र द्य न या भ द्या ट द्वा क ना ग ॥ ०० न्द्रा ज म ऊ ल ऊ द रू न वायू व द्वा न द्वा

दि ग व लि द्य नि २ २ जूष ॥ म ॥ न च नि ॥ नि ॥ वि न ॥ न ॥ च यि म द्वा

न धनया मद्याट दक नागम ॥ ० ॥ न्यजमजलज दक रुग वायु वाक् न द

२० विधि ध्यानि

दिगवल्लिद्यन्त्रि २२ अष्टममनचुति मवित्रम्वनक्षत्रचयिसहजा
नन्द ॥ ५ ॥ धनमहामहायद्रमद्यय दन अयि न अट्टट्टहा म न २ लक्ष्मी
वाना अन्यक नायाना रिती कज रिषत्र ॥ ५ ॥ के कालि धा नाना याम्यः
घा आलक काला कने क न २ मद्रि नासा काय वमाया ना दक्षम्य दा च व
द न ॥ ५ ॥ व न भित्त भद्या दलिक नागव क डि धा ना अन्य २ सत्यः
या ल नागम चू न्द या ल व द्वा अयि न किल की लायी न ॥ ५ ॥ दा द गारु वा द्वा
द गारु जा च वूम रु नि नि नी निलाय ना २ रु नयि कुल्ल सा न द वूम च न
कालि ना वि यु द ना ॥ ० ॥ नागमाल वा व डि धा नि वि यालि च छाली शि

२ नमो भगवते

द्यिनि वायुि उम्बु कउल किनि॥ नमामि आगमव न ह्यन्य ग्वनी॥ निनिन
गुद विप्रिरुवनय विस्व॥ **५१**॥ चतुत्रदिगद् रुनल गुदविशज किनि
दायिनि क्षासि कम्भा जिनि॥ **५२**॥ यूर्वउत नयस्त्रिमेदौ दक्षिणदिगद वि
ग्निनि निनीनाच निदवी॥ **५३**॥ रुविह नवद्वारू न्यजसूत्रग्र (भादश
दविस्मन नरोसे व॥ ०॥ **नागरु नवि॥** नमस्कृं का नल नू वधनू रक्ष समि
त्वउता नू ननू वा॥ गनादू गेनादू गनाग नदू दू॥ **५४**॥ धवनसू संधा
नीदह धनू रसवेदसू साहिय चन्द्रमदू॥ **५५**॥ दधु आलिं अ नथागः
धनू रवजघनू मूडाधनू॥ **५६**॥ मायाविदहानलिन ऊयसाहिय का

धनुश्चैव जघनं मूलाधनुः॥५॥ मायाविदहानलिनजयसाहियका

वनत्रयसत्त्वमदं॥०॥ नागायनमजलि॥ अनिलजनलजलजलजल
माज्जम्यनूमलचक्रनायेश्वजयज्ञनमनेजालसयदयनिरुलिन
रुनुवावाय॥७॥ मनुकलियागनकनुवाजालीगनरुनुवाकलयि
यावजवावाहिजालिज्ञनेसम्वनकलयीया॥५॥ गिरुवनरुमनः
कनायरुटाजागिरुवनरुमनकविनाश्गिरुवनचनोत्रप्रसाया
नगिरुवनरुमानकवीना॥५॥ कुनिगविनविनध्वनजहिश्नहि
श्जृष्टस्माननश्जृष्टवजसादगदविमिलियवयनसकावा॥५॥
जृहिनिमनन्यालरुलीयद्वादिगलरुवरुवाश्जृनवमननरुव

वन्धनच्छादिगलरुवन् गयनस्थराव॥०॥ नागरुनवि॥ नमामिः
 नमामि जागधामुनरुनस्थनस्नादाकिनिज्जालिङ्गनाशद्विनिहन्
 नञ्जितवलिगुदरास्नानदाकिनियनम्यस्थनि॥५॥ गीतनाई २
 मन्त्रं॥ दक्षिणदमन्त्रं वामधनूधनद्वयवृद्धकयालधनार
 वज्रघट्टविनायनशुभ्रनियुहान्निटक्काधमिद्यानटना॥५॥ विः
 विधिमन्त्रवलविद्यदाविनासनिनिद्विमिद्विवनदाकिनिश्कर्म
 कर्म॥ द्वायैतेयवरीकनञ्जालिङ्गनाशद्वयनम्यस्थनी॥५॥ यनमवजयन
 माद्ववरुगवनिरावरुयनमुनियून्ययदशहनुरुवगुटववद्ध

माधु वरुग वाग रु वरु यन मुग नयून्य यद २ रु न रु रु वरु ट व वद्ध

१८ नैव क न

नसादसजम्भेततुज गता ॐ श्वना ॥ ० ॥ नागाणावली ॥ लीवकननिः
लीवाधनप्रिनयन २ कधभाकाकनसिन्धुनरुविना ॥ नागाद्याधन
भउ नहा रथयन शुधन २ गजमूत्र द शुध धानिकनिया ॥ ५ ॥ ऊरु नि
त रु निभा हा आक वनि २ आदिम धान्क व वल्यान सिधिकन ॥ ६ ॥
स्वगमय या टाल गिरु वन्य २ गहाय गिरु किल्य सर्व कोर्त सिधि ॥ ७ ॥
निधिसिधिला काय सैयू २ ऊय वि श्वना स्व न गिरु व व्यायिना ॥ ती
न ॥ ० ॥ नाग गुज नि ॥ वन्दु मुर्क द यि सै कै नि उ क स विना माग्य मः
धमा ध्यायी २ न रु नि न ल रु मयी न ऊ द य न्य सम हा यी ॥ कन थिवा

अजलविं वसुसमससात्रयिनामागामायात्रसकनिधर्मनथिता ॥४॥
ॐ अजलमसचिन्नात्रमाहृत्वेधनवैधात्रश्रदयियायूनानिरुद्धा
त्रनागविनागनगत्रवा ॥५॥ धर्मकनिकनरुनात्रयश्चकामवा
धश्रयायुद्वयगतात्रस्यवृत्तगनइमधका ॥६॥ प्रहृयायनरव्यनः
नस्यनत्ववृत्तसिञ्जागिश्रस्यनत्वजनगुञ्जागीत्रज्वसंवृधयूनिः
जायी ॥ नागमलाद ॥ अउधहानाचवनालिलयनकायाकैलवि
हानैश्चियवजावासनदवधायिलयश्चरिवृद्धा ॥ चाललिह
नावृट्तागिवन्धनकैलविहानैश्चकायाक्कादिअन्यगदमात्र

नमो दत्तात्रेय नमो कलावह नमो रकाराच्छादि अन्त्य नमो दत्तात्रेय

नमो दत्तात्रेय ॥ ५ ॥ अथ खम्बु वयु कृति गोत्र नमो हित नमो वद्वान् ॥
श्यन्दिटया तनदव थपिलय श्च सीङ्ग रुद्धा हा ॥ ५ ॥ कायाचन्द्र का
या गुण कायानन्द गुमाला २ कायाजग्नि वायु वेन्न न्य काया शुभ्यन्ः
मधुले ॥ ५ ॥ काय गया कृत कायमाहा वधि काया सर्वतिर्थ २ का
यानिर्था जानू वससि जूवधू वस्य ऊग्नि वन्की द्वा ॥ ० ॥ नागमथधू
मथ ॥ ऊर्यश्वाच्छलि हन् वद्यन निश्मया लघु ना लघु न ऊगग उधन
नी ॥ ५ ॥ गह रु ग वनिया उ कमल रिमधुलन्य वृन्न नूर्नी कालाः
हादमान आरु नन विरुषित न्य उ नद्यन्क उलाला निनिनिनिनि

निरिदिनिभनिनयना ॥ ५२ ॥ कनति कयानली (ग) क ऊ न रु ला २
 कविनि के (ध) व न म क न क मा ॥ ५३ ॥ गिन स गि न्धू न ली (ग) क ऊ ल
 रु ना २ क मु नि क यू न ता भ्वा न शु व मा ला ॥ रु न सि मु न न व ड वा च्छ
 लि दा सा २ व ड द वि य ग्ग उ रु रु व या सा ॥ ० ॥ ना ग रु न वि ॥ वृ द्वा न
 का का स्या द वि स्तु न यि जू नै उ का धि नि श मा न ० नु स ग न य नि वा न
 ना ग य न मा न नि वृ न्द न ॥ घ घ घा न य श्म वी दू स न कि ल य रु रु दः
 या य न्म श्री व ड स ए ज्ञा ह्ना न का य वा क चि रु कि ल न उ रु न द्वा न
 उ लू का स्या द वि स्तु न यि जू न नु का धि नि श मा न यि य द्वा ग ग ट य

त्रिवाचानां यमात्रा निवृत्त्युत्तरं ॥ ५२ ॥ यद्विष्णुमहाप्रस्थानाय स्यादविष्णु
नयि जूननुक्ताधिनिश्मात्रयि नागसंगद्यत्रिवाचानां गायमात्रा
निवृत्त्युत्तरं ॥ ५३ ॥ दक्षिणद्वारा मूलास्यादविष्णु नयि जूननुक्ताधिनिश्
मात्रयि संगनयत्रिवाचानां गायमात्रा निवृत्त्युत्तरं ॥ ५४ ॥ जूगयक्ता
द्यमगाधिदविष्णु नयि जूननुक्ताधिनिश्मात्रयि जूलसंगनयत्रि
वाचानां समात्रा निवृत्त्युत्तरं ॥ ५५ ॥ नैवृत्यक्ताद्यमद्विदविष्णु नयि
जूननुक्ताधिनिश्मात्रयि नादसंगनयत्रिवाचानां गायमात्रा नि
वृत्त्युत्तरं ॥ ५६ ॥ वायव्यक्ताद्यमलुखनीदविष्णु नयि जूननुक्ताधि

X
२
आदिपुस्तक

निश्मानयिज्जनिलगगनयवा नीनाभयमाना निवृत्त न॥ ५॥
उद्धवा नष्टुगोहा देवीसू नयिज्जननुका धिनीश्मानवृद्धनसग
नयनिवा नानाभमाना निवृत्त न॥ ६॥ जूद्धवा नउयवीधुना गोहा
दविस्तू नयिज्जननुका धिनीश्मानयिचक्रिसगनयनिवा नानाभ
यमाना निवृत्त न॥ ७॥ ॥ नागवलाठि॥ नानलीकटि॥ आदिभूना
सुगीवविसज्जनिलानलसलरूमिश्सम्वभश्मिषनमाजीसर्वः
मधुलस्मिर्न॥ जकजकिनीसर्वगगलवायितयुजितवद्धाजाग
यश्चिनिगमानसवाद्धिस्वरुर्वज्जनूलनसिद्धियेदाता॥ प्रिसमाः

श्रीकृष्ण/गामन विनापीपुत्र ५ नमनिपुत्री १ कसम गामाभय नाना...

विआ। गमनु विन्यासं स्वस्वद वयनियूयै २ काफयावानमृत्तमयकार्य
जुद्धयनसर्वधियाला॥ ध्रु॥ विश्वद्वलि ममध्वः ॐ कानजानैः कूटागी
नरुव २ विश्वयर्कं ऊमध्वः जुद्धयकार्यसर्वदवसस्तिने॥ ध्रु॥ गुनच
न। (६) मित्रं गतधुनियारुहयिनः ॥ नागवज्र २ गिरुवनयापितः तत्त्व
स्वरुबीरुनि। गलगग। (६) लीना॥ ध्रु॥ ॥ नागवलाठि॥ टालमास
नमनहा० नानामधुलला। काटिहा० नानादहा २ दहकाटिहा०
नानाआगिनिवृद्धवारुचिन्तकैः नरीवा॥ उकमधुललारुलिनन
आगिनिवृद्ध २ वज्रधातुं श्वनीक (६) आलिगी ६ वारु मकलमा

ॐ॥ पूर्वया चक्र। त्रियालदद्विद्वान्तविरुत्रियाश्यम्भिमयूवाय
कासला उरुनत्यगंधत्रिया॥ ५२॥ सम्युटजागरुगता मिया
उसाकतालि२ कायवाकचिरुममधुलवाज रुनिनत्रगगददः
हृति॥ ५॥ कायगकायनूयगन्धयनसस्यगन्धिमिलितधर्म
धनुहायि२ कर्तुयामधुलचर्योगावृत्रवादिनयूजनहायि॥ ५॥
॥ ॥ जूहिषकयवग॥ नमस्कात्रकायजूहि॥ धवलशु॥ मयकसलव
प्रकालाकासमुदितगजसहश्रकत्राजावगमनसरावसमाधिगु
नूचदकालाकाजूडयज्ञानशुर्लीनमहाजावजिनवनरुषितद

हवप्रकालाकातथतामीयतकनदचम्यजावसदितविलानित

५२ वृत्तान्तः

हवन्कालाका गधनासीयुत कनू दानस्य जावमुदिनविलागिन
धर्मननुका नाका पिरुवनजयजय मकनजाव (मनन्यः
गिवजसलेयनमगुन ॥ ययिकाईये भानचक्षया धर्मदयासगीत
कामनूपीसजातय (हुन्दकलाविलायी जिनस्यमाता जिनसून्दरी
लीनमामिता प्रद्विनिमग्यनीली ॥ ४४ ॥ नागमानग्री ॥ तावद
ऊमाना ॥ धूमीगा विचलुकना वि २ शीवनरियंगनकसपिनयन
॥ ५ ॥ रुजयीयारुदनसहजगनदूति २ नानाविल्वमहाः
वनियून ॥ रुजयियारु रुटकानकनेकने न समयावद्विगतो

२ पूर्वोदि २१

गमस्त्रिदवीश्वरुनिवतत्रिचउमूरुवयन॥ ५॥ गितर्कका
नचुणवत्रिस्त्रहियशयुस्त्रिकर्जंशुसमाकूत्रस्त्रहिय॥ ५॥ अउ
महावत्रियतिदनग्रहन२मचुमीसदमलुधित्रज्जालन॥ ५॥
॥ नागऊनवि॥ तात्रउति॥ यूवैदिगम३नचहुग्रभसनदविव
झायनीहंसागनी२उरुनदिगम३नगन्धवभसान२दवीनूः
दायनीवृखवाहानी॥ ५॥ ॥ रुनवमहाकात्रगनयतिकुमाला
विलदगयालउदउदनी॥ यूजियाभममज्जुनिवलिनुधिन
धीवृभरिऊगिमाहगनात्रुदरुवनग्रीज्जुभसानरुगयन

दयिभनमना॥ यलिमदिममनरुनात्रभनमदि

नयि भव गना ॥ यस्मिन्मदि गभश्च न हला कृष्णसान्धदवि ००
 न्यायनि गज वानि २ नै ० यदि गभश्च न लक्ष्मि वर्धु भवसान्धदवी
 वेष्टु वी गवृ गसनी ॥ ५ ॥ वायु यदि गभश्च न धाला च भवसान्धद
 वि चामुष्टु मृगसनी २ ०० भवसान्धद गभश्च न किलिका भवसान्धद
 वीमहा लक्ष्मि सिंह वाहानी ॥ ५ ॥ दक्षिणादि गभश्च न कल्लक भव
 सान्धद वि वाना हिमहिवा भवानी ॥ ५ ॥ आग्नेयादि गभश्च न जूष
 महा भवसान्धद वी कोमानी मयिना भवानी २ ८ ॥ ॥ नागरु न वि
 ॥ ना न जति ॥ गज मुख विषय मना न्द वयद वच नृणा धियगः

६१ श्वत्राय २ रु नमनि मुक्ता नत्ना रु नत्न त नृत्त कि न न सी का स
॥ ५॥ मानिया विद्यु मा लियो द र्ये मा लियो क्षा ष वि दान न्दी २ मा लि
या मा या मा न स न्द्रा सा भ नृ य मु दि त ना सि ता ॥ य न सु वा ना कु म्भः
व ड ख र्ग रि षु न या न जू ति द हि न क ना २ मु स न ध न र व न्दी (गः
ख य न रु ल के च वा भ ॥ ५॥ वि चि त्त व मु क चू के ति व सा ड टा ड
न म नि म हि न २ ली व क न नं भ्वा द न भा रा या य न मी मि ङ्ग मि वाः
ऊ र्क ॥ ५॥ न त्ना रु न ध न न त्ना ग नि ता मू रि व क मू र व जू ति शु न्द
ना २ दि मा द न्वा त्व म मू दा ना न म मु २ ग ६१ श्वत्रा ॥ ॥ ना ग रे नः

* वि॥ ना न न क ता न ॥ य त्या नि र य दे ग वा का न्का र व द्वा ल भ्वा द न न

* २०
विनि

वि॥ ता न न क ता न॥ य त्या निर य दे ग बा का न्का ख व व ल भ्वा द ल क
व नू या २ न क व द नि ति नि न य ना च रु रु जा वा य च र्मे क नि व
सि नि॥ ५२ ॥ द वि न क ज ति ज ग र ज न नी रा व रा व व द्वा य नू यि
नि २ स व ज ग र जा ल रा व क न लि कृ द नी य रु द रु ल मा कः
दा य नि॥ ५३ ॥ ख प्र क लि क या ल नि ला त्य ना वा म द हि न रु ज ध
लि २ अ रु ना ग रु न न वि रु वि त गी व नू न ल न ल गिल मा ना
॥ ५४ ॥ च कि अ क्ता रा सिल म नि कृ ल के लि न ल स र वा २ स ज
ल च क व श च न क टि अ मा य सि द्वि य अ मू डा रु वि नी॥ ५५ ॥

X
२३
क
व
२

॥स ग गु नू य सा द ग भ व न्नि नि रु यी क न मा या य न म्य श्व यो य मा
२ श्री उ ग ना ना सि न ग न ध त्रि यो न क वि भा ह न ध नी या ॥ ॥
ना ग म न्ना न ॥ ना न ॥ न क व द न न न्न म कू ट ज्वा ली क ना २ च तुः
तु ऊ ख ङ्ग यू स क स न ध नू धा त्रि ॥ ५ ॥ न मो मि म इ श्री य न म न
त्य श्व त्रि २ स य न ज्ञा सा य त्रि यू त्रि न उ धा त्रि ॥ ६ ॥ द हि (६) ग्री ग
द य नि वा म श्री म हा का ल २ स ग द म ह न मा ष य द्वा लि ने स्मि ना
॥ ७ ॥ श्रि सी ह ल ना या वि श्व वि या पि ना २ ज्ज रु रु य व द्वाः
धि दू लि न ह न ना ॥ ८ ॥ व ज ध ल य म्भ दि न दा सा रु य यि या २ गु

X. ल न न न म्भ न सि दि न न म्भ न ॥ न न न न ॥ न न न न ॥

विष्णुसहस्रनाम ॥ १ ॥ वज्रवलयः ॥ तादृशं दत्तात्रेयं ॥

X. नमामि २ निमेष २

लूचननभात्रसिद्धिवनपुष्पादा ॥ चजायु ३१ सूक् ४ ॥ ॥ नागभा
क ॥ नमामि नमामि श्रीनिलवर्णं दहं दिव्यं जने कमुषयिं गत्र
कसा २ गिन्नुलमध्वनाद ३ मूर्तिर्येतासनजुतिर्लीलादना
॥ ॥ तनादू २ ॥ माथा ॥ गिरुवनव्यायिता ३ गभ्यनिनभामुनः
भामुनेनात्मादवीर्यगुमूजा लीकृतदहासिद्धिसिद्धिवलयः
साद ॥ ॥ नमामि नमामि श्रीदहिनकति ३ दिगनागद्वयभा
हानि २ वामखयत्रखत्वीगकूट १ ॥ ॥ हितदिथचद्रुगिनि ॥
॥ ॥ नमामि नमामि श्रीविन्यादगुवचुनाविश्रीमृगस्कलि

१ जू ४ न व जू ४ अ। गि नि सा हि न कू सु भ व न न नू॥ ॥ न
मा मि न मा मि ग्री वा ग म ति ति (थे रु दि न दे वी ग्री ख गे न ना २
ज त्म ज त्म मा द्वा य नि य न मा मि सि हि च कृ श्व ना॥ ॥ गुरु ॥ ॥
४४॥ ॥ **ना ग र न वि** ॥ न म दू का नू द द रु ध नू २ स च्छु यि ग त्वः
उ गान म नू ॥ न ना दू २ न ना दू न न ना दू २ ध व ल गुरु सी द रु ध नू
माल द गुरु स्व य का ल्म स नू ॥ न ना दू २ न न ना दू ॥ **ध** ॥ द्वा दा आः
लि ग द्वा था ग ध नू २ द्वा द्वा व ज दै मू नू दाम नू वा ॥ न ॥ **ध** ॥ मा या
वि द रु ख लान जी (ग २ सा हि री व ज स त्व य ल भ ग्व नी ॥ **ध** ॥ ॥

१०
नमो भगवते वासुदेवाय

नागारुलवि॥ नमामि श्रीचतुमाहाभारवनदवाधुमलतियाः
यरुयहलन्य२ऊगतयालिगुभनरुवरखहननमात्रलियुक्त
दनसरुहलना॥ दू२ धलनिमहुलडुयलित्रविभसिमहेल
जानूयादनस्यजुचनविना॥ गर्जघनकिमूर्तिहिनवर्धनाका
निविदिघनकारतिलाकविना॥ दहिनिखेगडुआतिविजान
नगिरुवहाकीयिनसुनै२नगुजनिरुतैभगतियासधनइस्का
दिदूषनिर्वधकनदी॥ ५॥ अतिधाषनादिननादरुयकन
तिलाचटागिभाककनदी२दूषखउगवाहा नमालवलनास

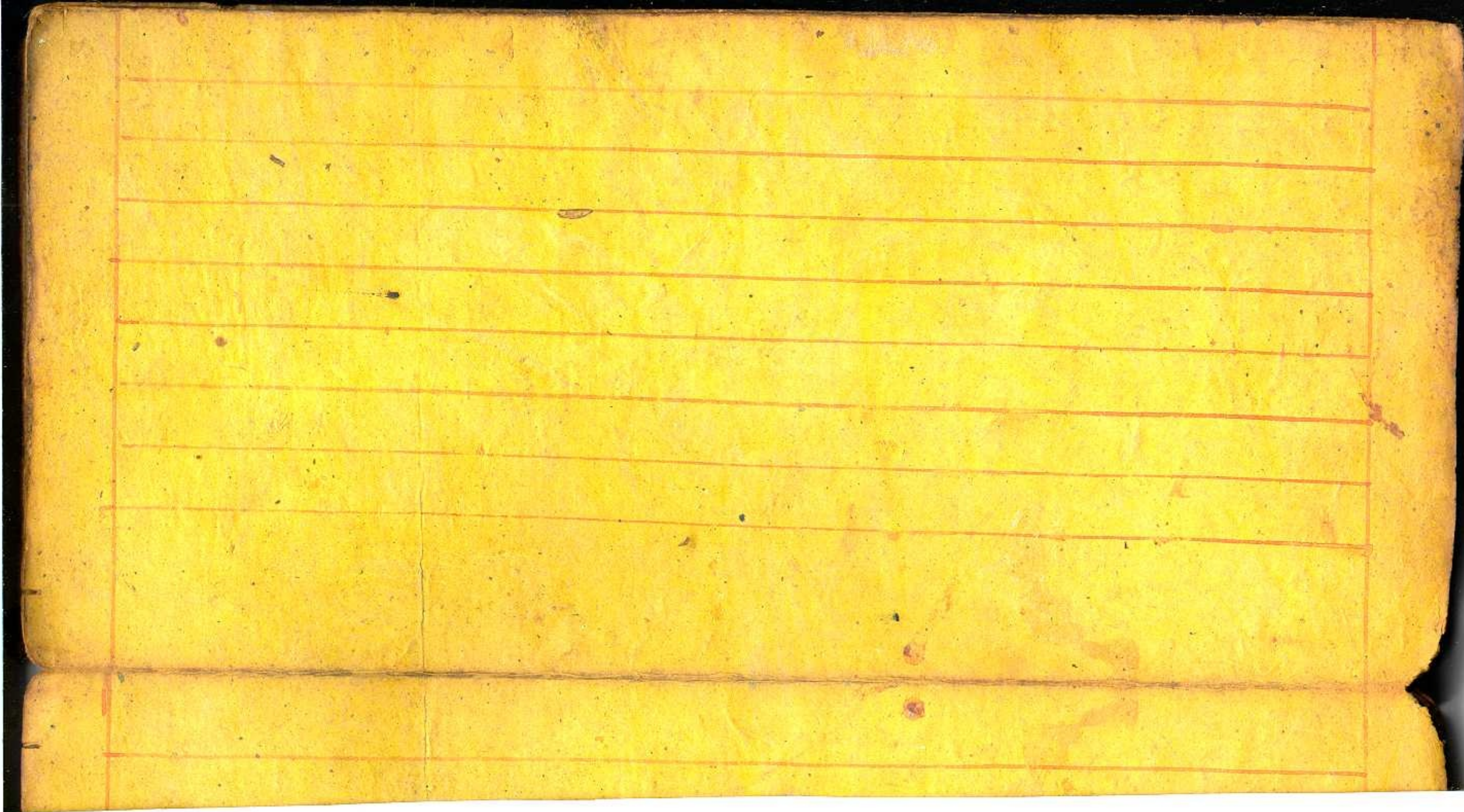
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

कञ्चनजलमजमञ्जवधे॥ ५३ ॥ नागमनावा॥ नावज्जनि॥ गङ्गियाकिः
किञ्चदनिवलितनजामन॥ विनिनमसायविनधालि॥ ५४ ॥ नमा
मिगीवधालि, जिनजनि॥ रुद्रलि, नलमंजिन॥ ५५ ॥ रुद्र
कलसवामकधालि॥ धनमंजलि॥ यद्वा॥ वरुणकधालि॥ ५६ ॥ नि
धीदनिमननलमंजनी॥ उववधमिलनधनी॥ ५७ ॥ लाकञ्चन
वज्रयादि, नलादवी॥ ऊवव, ववधुसमगुलयद्वा॥ हासा॥ सुसिक्की
नया॥ द्रवधवति, द्रुमाव, निवृज्जयरावाजिनी, साहाग, मधुः
वासूल, नविनन, लङ्गीसदाथी॥ ०॥ निज्जुर्वीथिन, सर्ववसुविना

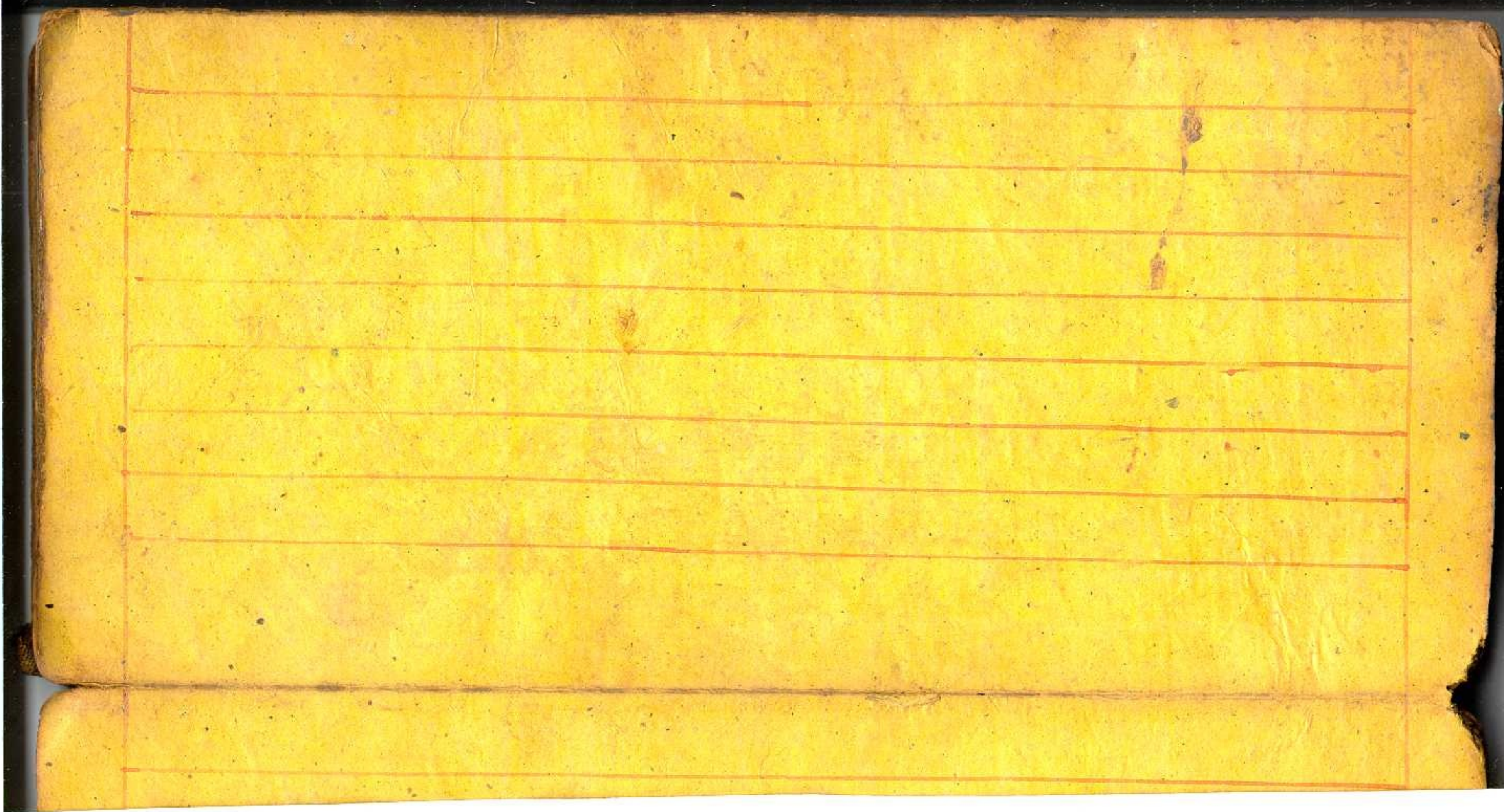
मृनिष्ठा जथायायाथा रग वनि श्री वसं ध्मनि दादि द्दः खयदा
स ॥ ॥

संपूर्णं सर्वगतं मनात्रयरुतं सर्ववदति न पीत्वा सर्वविकलकमादनकं ॥ ७ ॥ किं
नीलवृकानातिन रुचकं पवित्रतं तिनगुदा स्नानयादायभाद्रपद ॥ १ ॥ रास्यां
तस्य क्रियाद् कुरु विदु मनसा नित्यं प्रसंगीत ॥ ॥ ७ ॥

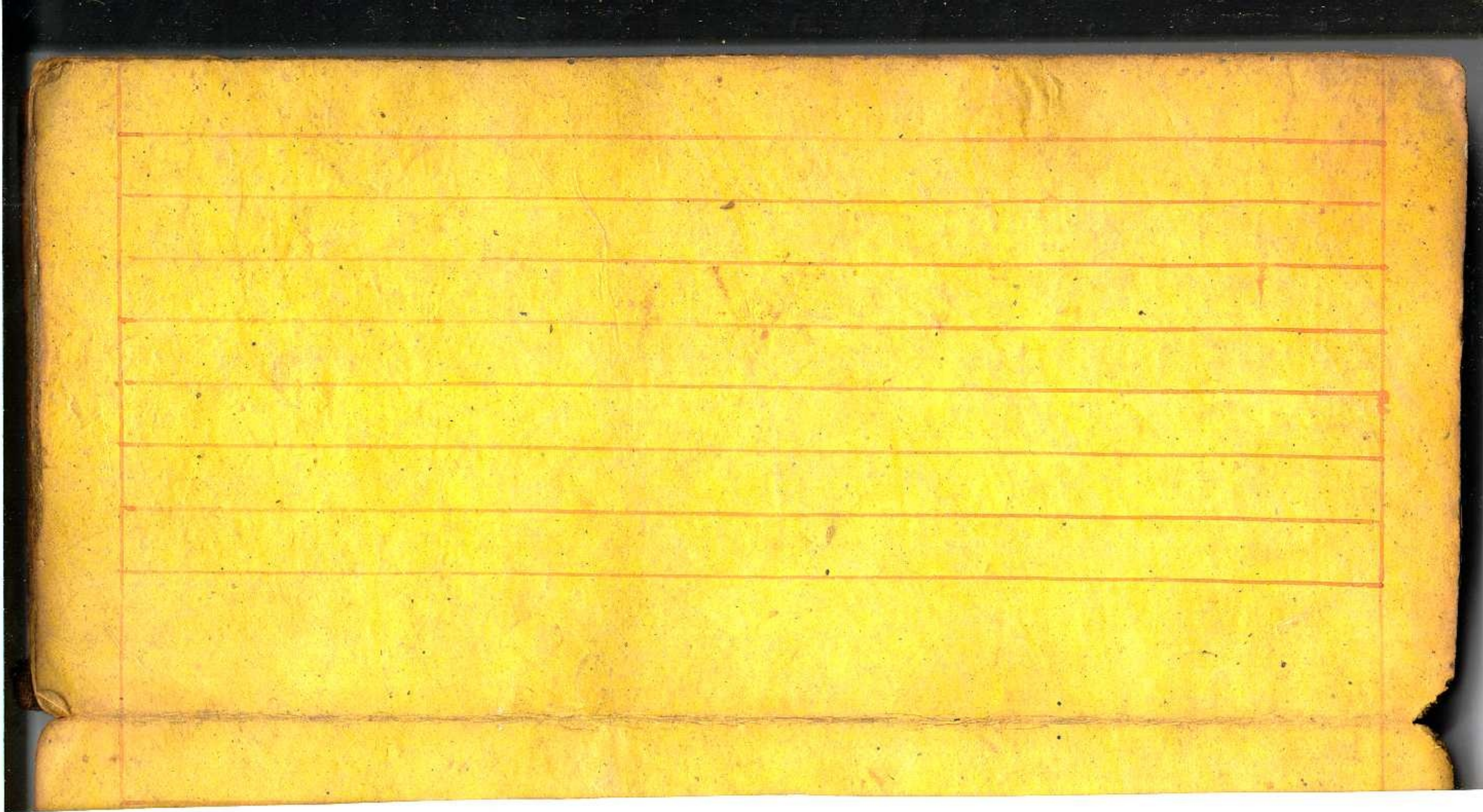
ॐ यच्छक्तालरुक्मानकायपातान्मूर्धनम॥ यश्च नासयाय॥ ॐ सिद्धिनाथं श्वनाय हं रुद्रं स्वाहा॥
ॐ यश्च नाटं श्वनाय हं रुद्रं स्वाहा॥ ॐ नृत्यनाटं श्वनाय हं रुद्रं स्वाहा॥ ॐ गीताततमाय हं रुद्रं
स्वाहा॥ ॐ इंद्रं श्वनाय हं रुद्रं स्वाहा॥ यच्छपवाल् पूजा॥ नाथ॥ द्युवादन॥ मनुजय॥
ॐ वृषासनं, धनिधनगीर्वाणार्थं, व्याघ्रतिनवनधनं, गीर्वाणकूर्मं, ध्यानानवयपनम
हं संखरुवीर्यमुक्ति, नाथं श्वनं सकलसिद्धिकर्तृनमामि॥ तालदमूरपूजा॥

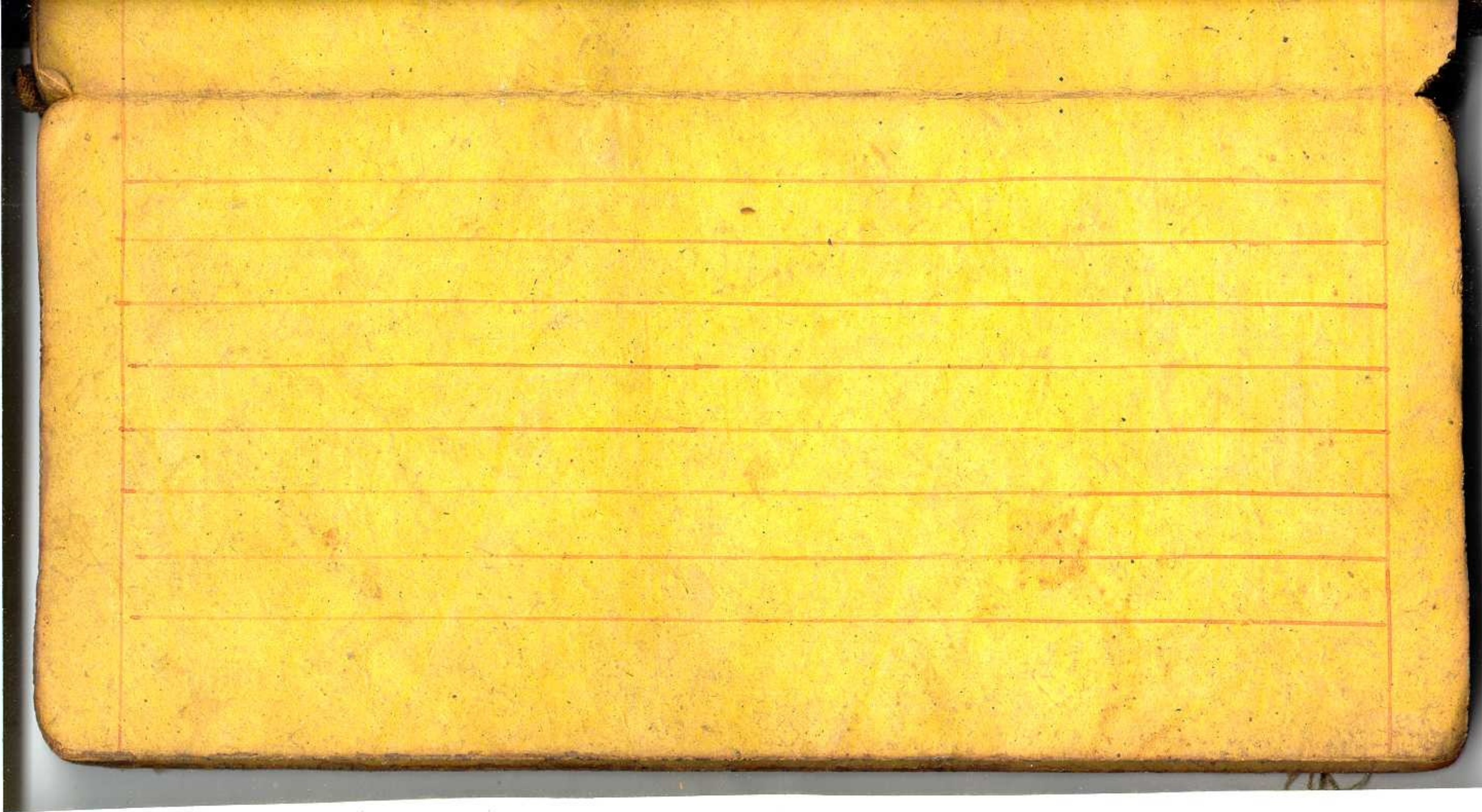








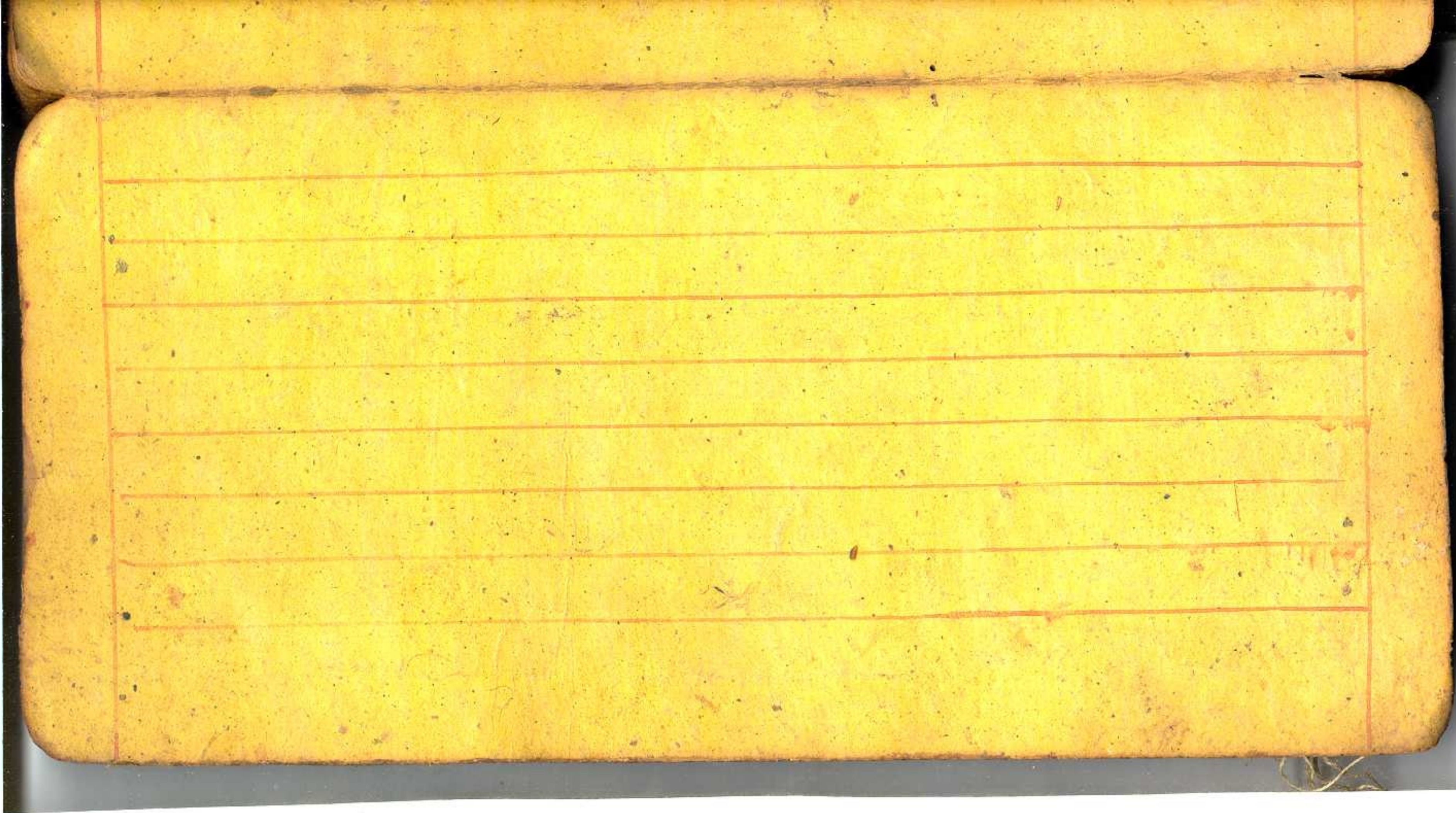


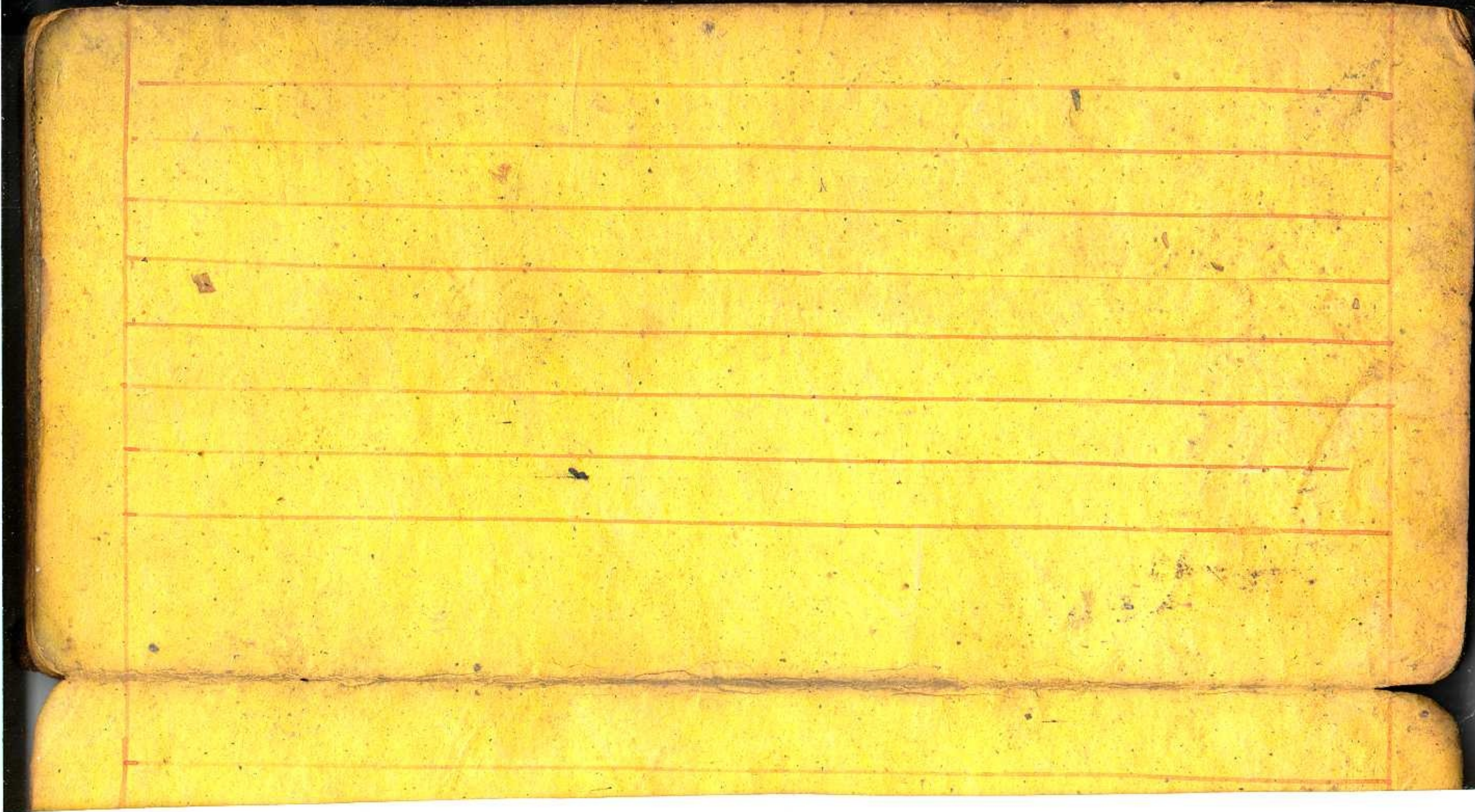














विद्वान्कमलम् ॥ २ ॥ विद्वान्कमलम् ॥ २ ॥ विद्वान्कमलम् ॥ २ ॥

१ विद्वान्कमलम् उदयमिधुवनसंस्कारायः मना दालादविः प्रीतिरुवनः स्व
नीः प्रीतिरुवनः व्यापिता श्रुता अपमदिनः श्रुतीः उदयस्त्रयः ॥ २ ॥ विद्वान्
हूँ का नमः सुवसुमिः यत्र भस्वनी, ३३ स्वाङ्गि रू व नः स्वमिमा रवर्यं कृतं
३३ रुमं गलरु वरु ॥ ६६ ॥ विद्वान्कमलम् यात्रा र्गमा ना इला ३३ ॥ ३ ॥
१ सुदुःखसुखाः राजमाना ॥ गृखा र्गनीयं परिदूः खवा निमनः खमानः स्व
मो ३३ वि ३३ नं नृनि ३३ ॥ २ ॥ ३३ य न नः सुदुःखवतनः ददियसादा यन
माथः हान ॥ ६६ ॥ १ विद्वान्कमलम् धनिर्याः राजमाना ॥ उद्वान्कमलम् पाथमना सुमनि
गेनाः गलनालेन निलयं विः विरावर्यं निः किनकीः र्गितय
मना सुसजितकला सुपिकी ॥ ६६ ॥ १ धना शा राजमाना ॥ ॥ प्रकदन्

वदन् वसः शः लखु फ रु र्गन स वया माः न वा दल र्गल मूखा विनूः
गीतं परिमनः शा गल न सूर्य ॥ ६६ ॥ न वा कनः गङ्गा मुखया राजमाना

